



**SHARMA
HARDWARE**

Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01

98648-02947

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 79 | गुवाहाटी | गुरुवार, 22 अक्टूबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

टीवी चैनल आतंकवाद-रोधी अभियानों की लाइव कवरेज से बचें, राष्ट्रविरोधी ...

पेज 2

भूमि विवाद के कारण चाकुबाजी में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की इलाज...

पेज 3

सीएम भजनलाल बोले, ये ढाई साल के काम हैं, हिसाब लगा लीजिए

पेज 5

एशियाई पैरा खेल : ऊंची कूद में भारत का दोहा धमाल, प्रवीण ने स्वर्ण, बंटी...

पेज 7

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है विजयादशमी : सीएम

राजनीतिक गलियारे में हलचल



गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि विजया दशमी नई शुरुआत और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, और उन्होंने राज्य सरकार की उस योजना पर प्रकाश डाला जो शिक्षित युवाओं को अपना उद्यम शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में शर्मा ने कहा कि यह त्योहार देवी दुर्गा की महिषासुर पर विजय का प्रतीक है और उनकी कृपा से नए प्रयासों की शुरुआत करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि विजयदशमी पर हम महिषासुर पर मां दुर्गा की विजय का

जश्न मनाते हैं: बुराई पर अच्छाई की और संदेह पर साहस की जीत का। यह नए सिरे से शुरुआत का भी दिन है, जब हम मां के आशीर्वाद से नए प्रयासों की शुरुआत करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का *आत्मनिर्भर असम अभियान* शिक्षित युवाओं को अपना उद्यम शुरू करने के लिए 2 लाख रुपए से 5 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करके ऐसी पहलों का समर्थन करने के लिए बनाया गया है, जिसमें से आधी राशि अनुदान के रूप में और बाकी आधी ब्याज मुक्त ऋण के रूप में दी जाती है। शर्मा ने कहा

-शेष पृष्ठ दो पर

विसर्जन के साथ ही पांच दिवसीय दुर्गोत्सव संपन्न

गुवाहाटी। गुवाहाटी में विजयादशमी के अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज, शंखध्वनि और भक्तों के जयकारों के बीच पूजा समितियों ने प्रतिमाओं को ब्रह्मपुत्र नदी सहित विभिन्न नदियों और जलाशयों की ओर ले गए और उन्हें विसर्जित किया। इसके साथ ही पांच दिनों तक चलने वाले दुर्गा पूजा महोत्सव का समापन हो गया। विजयादशमी के दिन सुबह से ही पूजा पंडालों में विशेष पूजा-अर्चना और दशमी की पारंपरिक रस्में आयोजित की गईं। इस दौरान महिलाओं ने *सिंदूर खेला* में भाग लिया और मां दुर्गा को भावभीनी विदाई दी। पूरे असम में श्रद्धालुओं के बीच उत्साह के साथ-साथ मां के विदा होने की भावुकता भी देखने को मिली। मालूम हो कि धार्मिक मान्यताओं

-शेष पृष्ठ दो पर



सौरव दास और आशुतोष रांका को मिली जमानत

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सौरव दास और आशुतोष रांका के लिए बुधवार का दिन बेहद अहम रहा। बीते सात दिनों से तिहाड़ जेल में बंद दोनों सीजेपी नेताओं को जमानत मिल गई। सौरव दास और आशुतोष रांका से लिखित में माफीनामा और शपथ पत्र लेने के बाद इनको जमानत पर छोड़ा गया है। करीब डेढ़ घंटे तक चली सुनवाई के बाद स्पेशल एंजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया और फिर

-शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री ने 900 से अधिक पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को उन 900 से अधिक असम पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने आजादी के बाद से अपनी ड्यूटी के दौरान जान गंवाई है। उन्होंने कहा कि राज्य में सुरक्षा की बेहतर स्थिति और उगावाद तथा अपराध में आई कमी, इन्हीं पुलिसकर्मियों के बलिदान का नतीजा है। पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर, मुख्यमंत्री ने इन पुलिसकर्मियों के



सम्मान में 10वीं असम पुलिस बटालियन मुख्यालय में आयोजित समारोह में पुष्प चक्र अर्पित किया और राज्य के प्रति उनके साहस और सेवा को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि असम की जनता की ओर से, मैंने उन

900 से अधिक असम पुलिसकर्मियों के सम्मान में पुष्प चक्र अर्पित किया, जिन्होंने आजादी के बाद से *आई असोमी* (अपनी मातृभूमि असम)

-शेष पृष्ठ दो पर

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने यूएस-पाक को लेकर ताजा बयान दिया। इससे इस्लामाबाद में चिंता जरूर बढ़ जाएगी। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पाकिस्तान और चीन के साथ वाशिंगटन के संबंधों को लेकर भारत का पक्ष लेते हुए कहा कि ये रिश्ते कभी भी भारत की कीमत पर नहीं होंगे। एक समाचार पत्र से बातचीत में रूबियो ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की तुलना निक्सन-किस्सिंजर के दौर से करना उचित नहीं होगा। उन्होंने इसके पीछे की वजह साफ करते हुए बताया कि उस दौर और आज के दौर की दुनिया में काफी कुछ बदलाव है। रूबियो ने कहा कि 1970 के दशक में शीत युद्ध चल रहा था जो अब कहीं भी नहीं है। ऐसे में उस

-शेष पृष्ठ दो पर

जागीरोड में दुर्गा पूजा पंडाल में लगाई गई आग, तीन मूर्तियां नष्ट

जागीरोड। असम के जागीरोड में एक दुर्गा पूजा पंडाल को कथित तौर पर बदमाशों ने आग लगा दी, जिससे देवी दुर्गा, देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्तियां नष्ट हो गईं। इस बात की जानकारी पुलिस ने दी। खबरों के मुताबिक, यह घटना 20 अक्टूबर को अंधेरे में घटी और पंडाल के पीछे आग लगी। आग ने तीनों मूर्तियों को जलाकर राख कर दिया और पूजा की तैयारियों को भी नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने इस घटना के संबंध में दो लोगों से पूछताछ की है। आग लगने की परिस्थितियों और इसके पीछे के संभावित

-शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा: कोबरा-आरएएफ सहित सीआरपीएफ की तीन दर्जन कंपनियां होंगी तैनात, फिलहाल मौजूद हैं 21000 जवान

नई दिल्ली। मणिपुर में हो रही हिंसा के मद्देनजर, केंद्र सरकार वहां पर अतिरिक्त संख्या में फोर्स की तैनाती करने जा रही है। हथियारबंद समूहों और उपद्रवियों पर नकेल कसने व सच अभियानों को गति देने के मकसद से सीआरपीएफ एवं इसकी विशेष इकाई *कोबरा*, जिसे जंगल वॉरफेयर में खासी महारत हासिल है व दंगारोधी बल *आरएएफ* को मणिपुर के लिए रवाना किया जा रहा है। विश्वस्त सूत्रों के



मुताबिक, की सी कंपनियों में से भी कुछ कंपनियां, मणिपुर में भी भेजी जाएंगी। बता दें कि कानून-व्यवस्था बनाए

रखने और हथियारबंद समूहों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशनों को तेज करने के लिए केंद्रीय बलों को मणिपुर में तैनात किया गया है। जंगल वॉरफेयर में एक्सपर्ट कोबरा कमांडो की दो बटालियनों को मई के आखिरी सप्ताह में मणिपुर के लिए रवाना किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय में पुलिस-2 डिवीजन द्वारा कोबरा की दो बटालियनों को मणिपुर भेजने के

प्रपोजल को मंजूरी दी गई थी। इस बाबत खुद सीआरपीएफ ने मणिपुर में ऑपरेशनल इड्यूटी के लिए यह प्रपोजल दिया था।

-शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्र विरोधी किसी भी मंसूबे को सफल नहीं होने देगी मोदी सरकार : भाजपा



नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्षी दलों और विभिन्न आंदोलनों से जुड़े समूहों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कुछ ताकतें भारत की प्रगति रोकने, समाज में विभाजन पैदा करने और भारतीय संस्कृति एवं धर्म के प्रति नफरत फैलाने के एजेंडे पर काम कर रही हैं। पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार राष्ट्र के खिलाफ ऐसे किसी भी मंसूबे के सफल नहीं होने देगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि विजयादशमी के अवसर पर प्रधानमंत्री

-शेष पृष्ठ दो पर

कैबिनेट विस्तार से पहले सभी मंत्रालयों के सचिवों के साथ बैठक, पीएम के पास पहुंचेगी रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली। हाल ही में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य और फिर केंद्र सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष पूरे किए तो जनविश्वास को इसका आधार बनाने के साथ ही नई ऊर्जा से काम और रिकॉर्ड एक्सप्रेस चलाने के प्रति भी देशवासियों को आश्वस्त किया। अब उसी दिशा में प्रयास तेज करने का केंद्र सरकार का इरादा दिखाई दे रहा है। दरअसल, 27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव ने सभी मंत्रालयों के सचिवों की बैठक बुलाई है। इसमें मंत्रालयों



से उनकी परफॉर्मेंस रिपोर्ट ली जाएगी। वह समग्र रिपोर्टें प्रधानमंत्री तक जाएंगी, जिसके बाद ईज आफ डूइंग और ईज आफ लिविंग बढ़ाने की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय किए जा सकते हैं। एक मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैबिनेट सचिवालय से सभी मंत्रालयों से कहा गया है कि वर्तमान में चल रही योजनाओं, उनकी प्रगति, जनता को मिल रहे लाभ के साथ ही भविष्य के लिए प्रस्तावित कार्ययोजनाओं पर पूरी रिपोर्ट तैयार की जाए।

-शेष पृष्ठ दो पर

भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीमा शुल्क सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार को सुगम बनाने और सीमा शुल्क संबंधी सहयोग मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच होने वाले व्यापार में उत्पत्ति संबंधी आंकड़ों (डेटा ऑफ ओरिजिन) के इलेक्ट्रॉनिक आदान-प्रदान पर समझौता किया है। इस व्यवस्था के तहत दोनों देश व्यापारिक वस्तुओं के मूल देश से संबंधित आंकड़ों का इलेक्ट्रॉनिक आदान-प्रदान करेंगे। इससे सीमा पार व्यापार की प्रक्रियाओं

-शेष पृष्ठ दो पर

भंडारा में फूड प्वाइजनिंग से 300 लोगों की तबीयत बिगड़ी, 82 अस्पताल में भर्ती

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले के खराशी गांव में नवरात्रि के लिए आयोजित भोजन के बाद करीब 300 लोगों की तबीयत बिगड़ गई है। बुधवार सुबह कई ग्रामीणों को उल्टी, जी मिचलाने और दस्त की शिकायत होने लगी। स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित लोगों को इलाज शुरू किया। फिलहाल अस्पताल में भर्ती सभी 82 मरीजों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

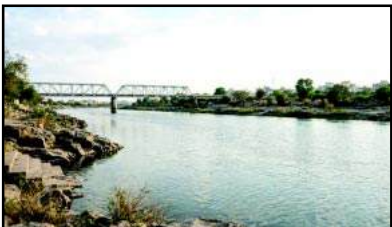


इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि खराशी निवासी जितेंद्र बोर्डे ने नवरात्रि के अवसर पर मंगलवार रात को भोजन का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में गांव के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया और भोजन

किया। करीब 300 लोग प्रभावित हुए और बुधवार सुबह से ही कई लोगों को उल्टी, जी मिचलाने और दस्त जैसी शिकायतें होने लगीं। एक साथ

-शेष पृष्ठ दो पर

कोटा में विसर्जन के दौरान नाव पलटने से चार की मौत, 18 घंटे बाद मिले शव



कोटा। राजस्थान के कोटा में स्टील पुल के निकट दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान नाव पलटने से डूबे चार लोगों के शव 18 घंटे तक चले तलाशी अभियान के बाद बुधवार सुबह बरामद कर लिए गए। यह हादसा मंगलवार शाम लगभग साढ़े पांच बजे बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में हुआ था, जब सात लोगों को लेकर जा रही एक नाव पलट गई थी। एक महिला समेत तीन लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे थे, जबकि चार अन्य लोग पानी के बहाव में बह गये थे। जीवित बचे लोगों में मानकंवर, दीपक और नाविक सुरेश शामिल हैं। वहीं, मृतकों की पहचान खेड़ा रसूलपुरा निवासी विकास वर्मा उर्फ सुमन (22), बगौनिया गांव के सूरज सिंह (22) तथा संजय नगर निवासी यश

-शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में रावण के साथ जला 30 फीट का कॉकरोच हमलावर हुई आप तो कपिल मिश्रा ने कसा तंज

नई दिल्ली। देशभर में विजयादशमी (दशहरा) का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। जगह-जगह रावण दहन हुआ। इस बीच उत्तर-पश्चिम दिल्ली में श्री केशव रामलीला समिति द्वारा आयोजित दशहरा समारोह ने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। वजह थी कॉकरोच। जी हां यहां दशहरा समारोह के दौरान, रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद का पुतला ही नहीं बल्कि कॉकरोच का भी पुतला भी जलाया गया। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने कॉकरोच के पुतले का दहन किया। जानकारी के मुताबिक



श्री केशव रामलीला समिति के आयोजकों ने दशहरे पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों के

पुतलों को साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित

-शेष पृष्ठ दो पर

उत्तराखंड के मदरसों में शुक्रवार की छुट्टी खत्म अब रविवार को रहेगा साप्ताहिक अवकाश

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मदरसों में शुक्रवार की छुट्टी खत्म कर दी और सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए रविवार को छुट्टी की घोषणा की। इस साल 1 जुलाई को उत्तराखंड में मदरसा शिक्षा प्रणाली को खत्म कर दिया गया था, और ऐसा कदम उठाने वाला यह देश का पहला राज्य बन गया। अब, धामी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है - उन्होंने मदरसों में शुक्रवार की छुट्टी को खत्म कर दिया है और इसकी जगह रविवार को छुट्टी की घोषणा की है। इस कदम से राजनीतिक बहस छिड़ गई है, और मुस्लिम समुदाय के भीतर भी इसे लेकर



-शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

चुनाव प्रक्रिया अगर पारदर्शी है तो बैलट पर चुनाव करने में परेशानी क्यों: राज ठाकरे

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने बुधवार को मुंबई में कहा कि देश में अगर चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी है तो बैलट पेपर पर चुनाव करने में परेशानी क्यों हो रही है। राज ठाकर ने यह भी कहा कि देश की हालत खराब है और अगले कुछ महीनों में बड़ा राजनीतिक हेरफेर हो सकता है। राज ठाकरे मुंबई के प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। राज ठाकरे ने कहा कि देश में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय बैलट पेपर से चुनाव कराया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है, तो बैलट पेपर से मतदान करने में क्या परेशानी है? उन्होंने कहा कि वह वर्ष 2018 से लगातार बैलट पेपर से चुनाव करने की मांग कर रहे हैं। उनके मुताबिक, ईवीएम से मतदान के बाद नतीजे जल्दी आ जाते हैं, लेकिन मतदाताओं के मन में संतुष्टि और चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता को लेकर सवाल बने रहते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने में कुछ दिन अधिक लगने से कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ता। राज ठाकरे ने यह भी सवाल किया कि जब दुनिया के सिर्फ तीन-चार देशों को छोड़कर सभी देशों में बैलट पेपर से मतदान कराया जाता है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को लेकर नागरिकों के मन में पैदा होने वाले संदेह दूर करने की जरूरत पर जोर दिया।

बुराई पर अच्छाई की...

कि राज्य भर की युवा महिलाएं नौकरी चाहने वालों के बजाय अपने उद्यम स्थापित करने और नौकरी सृजनकर्ता बनने के लिए आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि यही आत्मनिर्भर असम की भावना है: एक ऐसा राज्य जहां एक अच्छे विचार वाली युवा महिला को अपना भविष्य बनाने के लिए अनुमति या पूंजी का इंतजार नहीं करना पड़ता है। शर्मा ने कहा कि नौ दिवसीय यह उत्सव देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों का सम्मान करता है और लोगों से इस अवसर को उन महिलाओं का समर्थन करके मनाने का आह्वाण किया जो अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करने की आकांक्षा रखती हैं। उन्होंने कहा कि सुधी बिजोया। मां दुर्गा असम की बेटियों को हर प्रयास में जीत का आशीर्वाद दें। जय मां दुर्गा।

विसर्जन के साथ ही ...

के अनुसार, विसर्जन मां दुर्गा के अपने दिव्य धाम लौटने का प्रतीक है। इसी परंपरा के तहत श्रद्धालु अगले वर्ष फिर से मां के आगमन की कामना करते हुए प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं। गुवाहाटी में 21 और 22 अक्टूबर को दो दिनों तक विसर्जन कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। विभिन्न पूजा समितियों की भागीदारी को देखते हुए विसर्जन की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से संपन्न की जा रही है। मां दुर्गा की विदाई के साथ ही शहर में हर्षोल्लाव का उल्लास समाप्त हुआ और श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष मां के पुन: आगमन की कामना की।

सौरव दास और ...

दोनों को जमानत का फैसला सुनाया। इसके लिए कड़ी सुरक्षा घेरे के बीच सीजेपी के दोनों सहसंयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका को पेशी के लिए मंदिर मार्ग स्थित स्पेशल एजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की कोर्ट में लाया गया था। इन दोनों की इस कोर्ट में यह तीसरी पेशी है। पिछली दो पेशियों में दोनों की जमानत खारिज कर दी गई थी। यहां तीसरी बार बेल बॉन्ड भरवाने के बाद सुनवाई शुरू हो गई है। आज अगर दोनों के जमानती से कोर्ट संतुष्ट हो जाएगी तब इन्हें जमानत पर छोड़ा जा सकता है। सही जमानती पेश नहीं करने पर तीसरी बार भी इन्हें जेल भेजा जा सकता है।

पुलिस स्मृति दिवस ...

के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि इन पुलिसकर्मियों का योगदान राज्य की यादों में हमेशा बसा रहेगा और उन्होंने असम में कायम शांति को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने उग्रवाद और अपराध में आई कमी का भी जिक्र किया और कहा कि असम की सुरक्षा स्थिति में काफी सुधार हुआ है। कहा कि यह उन्हीं के बलिदान का परिणाम है कि आज असम में शांति है; यहां उग्रवाद लगभग खत्म हो चुका है और अपराध में भारी कमी आई है। हम इस शांति की रक्षा करेंगे, चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा इस अवसर पर असम पुलिस के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनकी सेवा और प्रतिबद्धता को सराहा।

जागीरोड में दुर्गा पूजा ...

मकसद के बारे में और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। जांच जारी है। यह एक विकासशील खबर है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

मणिपुर हिंगा: कोबरा-आरएफ ...

गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद कोबरा की दो बटालियों को मणिपुर के लिए खाना कर दिया गया। वहां पर मौजूदा समय में सीआरपीएफ के लगभग 21 हजार जवान तैनात हैं। मणिपुर में तैनात सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ, असम राइफल और लोकल पुलिस के बीच बेहतर समन्वय करने के लिए नई प्लानिंग के तहत काम हो रहा है। उपद्रवियों के खिलाफ संयुक्त ऑपरेशन शुरू किए गए हैं। अवैध हथियारों की बरामदगी के लिए राज्य में लगातार तलाशी अभियान प्रारंभ किया गया है। प्यांमार से लाने मणिपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठियों पर नकेल कसी जा रही है। ड्वा माफिया पर भी बड़ा प्रहार करने की योजना बनाई गई है। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों और दूसरे महत्वपूर्ण मार्गों पर अवैध वसूली को रोकने के लिए अलग से टीमों का गठन किया गया है। राजमार्गों को रोक देना या तेल टैंकरो से जबर्न वसूली, इसके लिए केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस को मिलाकर एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की तरह मणिपुर में भी कम दूरी पर एफओबी यानी फारवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित करने की योजना पर

टीवी चैनल आतंकवाद-रोधी अभियानों की लाइव कवरेज से बचें, राष्ट्रविरोधी सामग्री न दिखाएं : सरकार

नई दिल्ली (हि.स.)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों के लिए बुधवार को एक सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि वे आतंकवाद-रोधी अभियानों की लाइव कवरेज से बचें, भड़काऊ बहस और राष्ट्रविरोधी सामग्री न दिखाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस्तेमाल में सावधानी बरतें। मंत्रालय ने एडवाइजरी में सभी सैटेलाइट टीवी चैनलों को कार्यक्रम संहिता का सख्ती से पालन करने के आदेश दिए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि उनकी अंतर-विभागीय समिति ने पाया है कि चैनलों पर प्रसारित खबरें और दृश्य संहिता के अनुरूप नहीं हैं और एक ही तरह के दृश्य बार-बार दिखाए जा रहे हैं। आदेश के मुताबिक आतंकवाद विरोधी अभियानों का लाइव कवरेज पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ऑपरेशन समाप्त होने

के बाद राजनीतिक हेरफेर हो सकता है। राज ठाकरे मुंबई के प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। राज ठाकरे ने कहा कि देश में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय बैलट पेपर से चुनाव कराया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है, तो बैलट पेपर से मतदान करने में क्या परेशानी है? उन्होंने कहा कि वह वर्ष 2018 से लगातार बैलट पेपर से चुनाव करने की मांग कर रहे हैं। उनके मुताबिक, ईवीएम से मतदान के बाद नतीजे जल्दी आ जाते हैं, लेकिन मतदाताओं के मन में संतुष्टि और चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता को लेकर सवाल बने रहते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने में कुछ दिन अधिक लगने से कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ता। राज ठाकरे ने यह भी सवाल किया कि जब दुनिया के सिर्फ तीन-चार देशों को छोड़कर सभी देशों में बैलट पेपर से मतदान कराया जाता है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को लेकर नागरिकों के मन में पैदा होने वाले संदेह दूर करने की जरूरत पर जोर दिया।

वाशिंगटन/तेहरान (हि.स.)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान के साथ शांति समझौता करना बेहद मुश्किल है। उन्होंने कहा कि जब तक तेहरान होमुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाना बंद नहीं करता, तब तक उस पर आर्थिक दबाव बना रहेगा। इस पर ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि जब तक वाशिंगटन, तेहरान की शर्तें नहीं मान लेता, तब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान और कतर के जरिए अप्रत्यक्ष बातचीत जारी है। अल जजोरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रूबियो और अराघची ने अपने-अपने देश के मीडिया से बातचीत में यह टिप्पणी की। इस बीच अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसे था। उसने लगभग 400 किलोग्राम परमाणु सामग्री को रूस की वाशिंगटन, ईरान के खिलाफ और सैन्य कार्रवाई करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार न आए। ईरान का यह भी कहना है कि उसका संबंधित यूरेनियम देश के भीतर ही रहेगा। उसने लगभग 400 किलोग्राम परमाणु सामग्री को रूस की कस्टडी में सौंपने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। यह घोषणा ऐसे समय पर हुई है जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनिर ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए तेहरान के दौरे पर हैं। ईरानी अधिकारियों का जोर है कि बातचीत फिर से शुरू होने से पहले वाशिंगटन को भरोसा बहाल करना होगा। उन्होंने राजनयिक बातचीत के दौरान अमेरिका के पहले किए गए हमलों और तेहरान के सात-सूत्रीय प्रस्ताव का हवाला दिया। इस बीच, व्हाइट हाउस ने साफ किया कि अमेरिका की तीन नवंबर को होने वाले मध्यवाह चुनाव से पहले ईरान पर हमला करने की कोई योजना नहीं है।

तक केवल अधिकृत अधिकारी की ब्रीफिंग ही प्रसारित की जा सकेगी। पुराने दृश्यों पर टाइम-स्टैम्प लगाना अनिवार्य होगा। हिंसक और परेशान करने वाले दृश्यों को लेकर भी चैनलों को सतर्क रहने को कहा गया है। ऐसे दृश्यों को लूप में बार-बार न दिखाने और जरूरत पड़ने पर ब्लर या मास्किंग का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं। अपराध से जुड़ी खबरों में सनसनीखेज रिपोर्टिंग से बचने और सत्यापित तथ्यों पर आधारित कवरेज करने को कहा गया है। टीवी चैनलों को महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। प्राकृतिक आपदाओं और हादसों की रिपोर्टिंग में टाइम-स्टैम्प का इस्तेमाल अनिवार्य होगा, ताकि दर्शकों में दहशत न फैले। मंत्रालय ने सभी चैनलों को केवल भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित

अमेरिका-ईरान जिद पर अड़े शांति समझौते के आसार कम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अच्छी मित्र और भारत के साथ मजबूत रिश्तों की पक्षधर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को उत्तर प्रदेश का योगी मॉडल खूब प् रहा है। जिस तरह योगी सरकार दंगाइयों और उपद्रवियों से सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए सख्त कदम उठाती है, उसी तर्ज पर मेलोनी सरकार ने भी हिंसक प्रदर्शनकारियों पर शिकंजा कसने का फैसला किया है। हम आपको बता दें कि इटली में अब तोड़फोड़ और लूटपाट करने वालों को जेल, भारी जुर्माने और नुकसान की भरपाई की जरूरी दी है। मिलान समेत उत्तरी इटली के शहरों में सप्ताहांत के दौरान प्रदर्शनकारियों के समूहों ने दुकानों के शीशे तोड़े, लूटपाट की और पुलिस पर हमले किए। इसके बाद सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर हिंसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नए प्रावधानों के तहत सार्वजनिक सुरक्षा को खमरे में डालने वाली गतिविधियों में कम से कम पांच लोगों के समूह के साथ शामिल होने पर

पांच साल तक की जेल और अधिकतम 20 हजार यूरो का जुर्माना लगाया जा सकता है। चेहरा छिपाकर हिंसा करने या दूसरे लोगों को घायल करने जैसी परिस्थितियों में सजा और कड़ी हो सकती है। अधिकारियों को उपद्रव के दौरान हुई क्षति की भरपाई कराने का अधिकार भी दिया गया है। यदि तोड़फोड़ या लूटपाट में नाबालिग शामिल पाए जाते हैं, तो उनके माता-पिता पर आर्थिक जिम्मेदारी डाली जा सकती है। साथ ही मेलोनी सरकार ने 14 से 17 वर्ष के उन किशोरों को भी हिरासत में लेने की शक्ति पुलिस को दी है, जिनके खतरनाक होने के पर्याप्त संकेत हों, भले ही उन्होंने अभी कोई अपराध न किया हो। यह प्रावधान पहले वयस्कों तक सीमित था। इसके अलावा मिलांन में महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा, येवंदरशाल इलाकों की निगरानी और पुलिस की मदद के लिए 2026 के अंत तक 500 सैनिकों की तैनाती की घोषणा की गई है। देखा जाये तो मेलोनी का संदेश स्पष्ट है कि तोड़फोड़ और चोरी कोई क्रांति नहीं, अपराध हैं। सरकार का जोर इस बात पर है कि नाराजगी जताने का अधिकार कानून तोड़ने का लासेंस नहीं बन सकता। क्या है योगी मॉडल की ताकत, यदि इस बारे

पृष्ठ एक का शेष

काम किया जा रहा है। ऐसे स्थानों की पहचान कर ली गई है, जहां पर एफओबी स्थापित किए जाने हैं। ऐसे में वहां पर उग्रवादी समूहों की दोतरफा घेराबंदी होगी। एक बॉर्डर एरिया से उग्रवादियों की सफाई चैन खत्म की जाएगी। दूसरा, आंतरिक क्षेत्रों में एफओबी के जरिए सुरक्षा बल, उग्रवादियों की कमर तोड़ेंगे। इससे उग्रवादियों को कहीं छिपने की जगह नहीं मिल सकेगी। भारत-प्यांमार बॉर्डर के सीमावर्ती क्षेत्रों में गहन तलाशी अभियान चला जा रहा है। भारत-प्यांमार अंतर्राष्ट्रीय सीमा की कुल लंबाई 1643 किलोमीटर है। अभी तक वहां 9.214 किमी क्षेत्रों में ही फेरिंग लग सकी है। बॉर्डर का बाकी हिस्सा अभी तक खाली है। पिछले साल लगभग 30000 करोड़ रुपए की लागत से फेंसिंग लगाने का काम प्रारंभ किया गया है। यह काम 10 वर्ष में पूरा होगा। इसके साथ ही बॉर्डर पर हाइड्रिक निगरानी प्रणाली (एचएसएसए) के माध्यम से बाढ़ लगाने की दो पायलट परियोजनाएं भी चल रही हैं। इसके तहत अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में एक-एक किलोमीटर के हिस्से पर बाढ़ लगाई जा रही है। मणिपुर में लगभग 20 किलोमीटर के क्षेत्र में बाढ़ लगाने के कार्य को मंजूरी मिल चुकी है।

कैबिनेट विस्तार से पहले ...

27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव द्वारा सभी मंत्रालयों के सचिवों से क्रमवार जानकारी लेकर कामकाज की समीक्षा की जाएगी। बताया गया है कि यह रिपोर्ट पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद उच्चस्तरीय बैठक के बाद कुछ निर्णय किए जा सकते हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी लगातार रिकार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म पर जोर देते हैं। उनका मानना ​​है कि व्यापार करने में सुगमता के साथ ही ईज आफ लिविंग यानी जीवन जीने में सुगमता शहरों के साथ ही कस्बों और गांवों तक भी पहुंचनी चाहिए। सरकार के इस ताजा प्रयास को वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। दरअसल, कांग्रेस सहित समूचे विश्वक्ष का आंदोलन इस थीम पर चल रहा है कि सरकार के प्रति जनता के विश्वास को कम किया जाए। इसी आधार पर रिजिम चेंज जैसे असंतोधानिक दावे भी किए जा रहे हैं। वहीं, सरकार का प्रयास है कि अब तक जिस तरह से जनता के हितों को केंद्र में रखकर योजनाओं धरातल पर उतारा गया है, उन्हें संतुष्टीजन मोड पर पहुंचाया जाए। पिछले दिनों इसके लिए देशभर में जनता से जुड़ी योजनाओं से संबंधित विभागों के शिबिर भी लगाए गए। साथ ही पीएम मोदी रिकार्म एक्सप्रेस का भी गियर बदल सकते हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के ...

को अधिक कुशल, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने बताया कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) और न्यूजीलैंड सीमा शुल्क सेवा (एनजेडीसीएस) के बीच समझौता 19 अक्टूबर को हुआ। इस पर सीबीआईसी के अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी और न्यूजीलैंड सीमा शुल्क सेवा की नियंत्रक एवं मुख्य कार्यकारी क्रिस्टीन स्टीवेन्सन ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत किया गया है। दोनों देशों के बीच एफटीए 20 अक्टूबर से लागू हो गया है। इस समझौते का उद्देश्य सीमा शुल्क से जुड़ी सूचनाओं के आदान-प्रदान को बेहतर बनाना और व्यापार को सुविधाजनक बनाने के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करना है। समझौते के तहत वस्तुओं के मूल देश से संबंधित आंकड़ों का अग्रिम इलेक्ट्रॉनिक आदान-प्रदान किया जा सकेगा। इससे दोनों देशों के सीमा शुल्क विभागों के बीच समन्वय बढ़ेगा और व्यापार से संबंधित जानकारी समय पर उपलब्ध हो सकेगी। इससे सूचनाओं की कमी दूर करने और सीमा पार व्यापार की प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

भंडारा में फूड प्वाइजनिंग...

कई लोगों के बीमार पड़ने की सूचना मिलने के बाद प्रभावित ग्रामीणों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कुल 82 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इनमें 36 महिलाएं भी शामिल हैं। इनमें भंडारा अस्पताल में 11 मरीज, पलादूर अस्पताल में 51 मरीज और खराशी अस्पताल में 20 मरीजों का इलाज जारी है। जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों की टीम खराशी पहुंची। अन्य प्रभावित लोगों को भी आवश्यकता के अनुसार चिकित्सा सहायता दी जा रही है। अस्पताल में भर्ती सभी 82 मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर है और वे खररे से बाहर हैं। इस घटना के बाद भोजन की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। खाद्य विषाक्तता की आशंका के

भारत के प्रामाणिक मानचित्र का ही उपयोग करने का आदेश दिया है। लाइव डिबेट को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वाली टिप्पणियों पर रोक लगाने, पैनलिस्टों का सावधानी से चयन करने और आपत्तिजनक टिप्पणियों को म्यूट करने या डिस्कलेमर चलाने को कहा गया है। इसके साथ यौन अपराध पीड़ितों की पहचान उजागर करने पर पूरी तरह रोक रहेगी। पीड़ित से जुड़ी कोई भी जानकारी, फोटो या पारिवारिक विवरण नहीं दिखाया जा सकेगा। मंत्रालय ने एआई और जेनरेटिव एआई दूसरे के इस्तेमाल में भी सावधानी बरतने को सलाह देते हुए कहा कि खबरों की सटीकता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम संहिता का उल्लंघन करने पर केबल टेलीविजन नेटवर्क अधिनियम-1995 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

दंगाइयों-उपद्रवियों से यूपी स्टाइल में निबटेंगी पीएम जॉर्जिया मेलोनी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अच्छी मित्र और भारत के साथ मजबूत रिश्तों की पक्षधर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को उत्तर प्रदेश का योगी मॉडल खूब प् रहा है। जिस तरह योगी सरकार दंगाइयों और उपद्रवियों से सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए सख्त कदम उठाती है, उसी तर्ज पर मेलोनी सरकार ने भी हिंसक प्रदर्शनकारियों पर शिकंजा कसने का फैसला किया है। हम आपको बता दें कि इटली में अब तोड़फोड़ और लूटपाट करने वालों को जेल, भारी जुर्माने और नुकसान की भरपाई की जरूरी दी है। मिलान समेत उत्तरी इटली के शहरों में सप्ताहांत के दौरान प्रदर्शनकारियों के समूहों ने दुकानों के शीशे तोड़े, लूटपाट की और पुलिस पर हमले किए। इसके बाद सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर हिंसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नए प्रावधानों के तहत सार्वजनिक सुरक्षा को खमरे में डालने वाली गतिविधियों में कम से कम पांच लोगों के समूह के साथ शामिल होने पर

पांच साल तक की जेल और अधिकतम 20 हजार यूरो का जुर्माना लगाया जा सकता है। चेहरा छिपाकर हिंसा करने या दूसरे लोगों को घायल करने जैसी परिस्थितियों में सजा और कड़ी हो सकती है। अधिकारियों को उपद्रव के दौरान हुई क्षति की भरपाई कराने का अधिकार भी दिया गया है। यदि तोड़फोड़ या लूटपाट में नाबालिग शामिल पाए जाते हैं, तो उनके माता-पिता पर आर्थिक जिम्मेदारी डाली जा सकती है। साथ ही मेलोनी सरकार ने 14 से 17 वर्ष के उन किशोरों को भी हिरासत में लेने की शक्ति पुलिस को दी है, जिनके खतरनाक होने के पर्याप्त संकेत हों, भले ही उन्होंने अभी कोई अपराध न किया हो। यह प्रावधान पहले वयस्कों तक सीमित था। इसके अलावा मिलांन में महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा, येवंदरशाल इलाकों की निगरानी और पुलिस की मदद के लिए 2026 के अंत तक 500 सैनिकों की तैनाती की घोषणा की गई है। देखा जाये तो मेलोनी का संदेश स्पष्ट है कि तोड़फोड़ और चोरी कोई क्रांति नहीं, अपराध हैं। सरकार का जोर इस बात पर है कि नाराजगी जताने का अधिकार कानून तोड़ने का लासेंस नहीं बन सकता। क्या है योगी मॉडल की ताकत, यदि इस बारे

पृष्ठ एक का शेष

बीच संबंधित खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए लिए गए हैं। हालांकि, लोगों की तबीयत बिगड़ने की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इसका पता चल सकेगा।

राष्ट्र विरोधी किसी ...

ने देश को ऐसी ताकतों के प्रति अगाह किया था। उनके मुताबिक इन ताकतों के तीन प्रमुख उद्देश्य हैं- सत्ता का इस्तेमाल निजी लाभ और लूट के लिए करना, समाज में आपसी मतभेद पैदा करना तथा भारतीय संस्कृति और धर्म के प्रति नफरत फैलाना। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ समूह सनातन धर्म को समाप्त करने और हिंदुत्व को खत्म करने के अभियान चलाते हैं। साथ ही भारतीय संस्थानों को लेकर भ्रामक नरैटिव फैलाकर देश की प्रतिा में बाधा डालने का प्रयास करते हैं। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि इन समूहों की मांगें लगातार बदलती रहती हैं। कभी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को लेकर सवाल उठाए जाते हैं, तो कभी टीकों, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और मतदाता सुवि्यों पर सवाल खड़े किए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक मांग के बाद दूसरी मांग सामने आ जाती है। उन्होंने इसकी तुलना रामायण में रावण के दस सिरों से करते हुए कहा कि एक सिर कटेने पर दूसरा सामने आ जाता था। उनके अनुसार अला-अलग आंदोलनों में बार-बार एक जैसी शब्दावली का इस्तेमाल उनके पीछे किसी साझा उद्देश्य की ओर संकेत करता है। डॉ. त्रिवेदी ने विदेश यात्राओं के बाद दिए जाने वाले कुछ राजनीतिक बयानों का उल्लेख करते हुए कहा कि कभी विदेश से लौटने के बाद *हाइड्रोजन बम* फोड़ने की बात कही जाती है, तो कभी *सुनामी* आने का दावा किया जाता है। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के बयानों को भी इसी सिलसिले से जोड़कर देखा। उन्होंने आर्थिक जवाई कि ऐसे बयानों के पीछे अज्ञात और संदिग्ध ताकतें हो सकती हैं, जो सीमा पार से भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। रामायण का उदाहरण देते हुए भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी ने कहा कि रावण माता सीता का हरण करने के लिए साधु का वेश धारण करके आया था। इसी तरह उनके आरोप के अनुसार कुछ ताकतें अलग-अलग रूपों में अपने वास्तविक उद्देश्यों को छिपाकर काम कर रही हैं। भाजपा सांसद ने दावा किया कि इनका उद्देश्य केवल सार्वजनिक रूप से उठाए जाने वाले मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि हिंसक संघर्ष और सुनिर्वाजित साजिश के जरिए सत्ता परिवर्तन यानी *रेजीम चेंज* कराना है। उन्होंने कहा कि देश के लोगों को ऐसे कथित प्रयासों के पीछे के वास्तविक उद्देश्यों को समझने की जरूरत है।

कोटा में विसर्जन के ...

जोशी उर्फ येशु (19) और राहुल जोशी (18) के रूप में हुई है। यश और राहुल चचेरे भाई हैं। अधिकारियों के अनुसार, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और नागरिक सुरक्षा की टीम ने संयुक्त रूप से तलाशी एवं बचाव अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत मंगलवार रात 11:30 बजे अभियान को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था और अगले दिन सुबह 5:30 बजे इसे फिर से शुरू किया गया। कोटा शहर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुभाष चंद्र मिश्रा ने बताया कि सबसे पहले विकास और सूरज के शव बरामद किए गए, जबकि स्थानीय गोताखोरों ने एक घंटे के भीतर अन्य दो युवकों के शव भी ढूंढ़ निकाले। एसपी ने बताया कि चारों शव दुर्घटनास्थल से लगभग 100 से 200 मीटर की दूरी पर मिले। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव उनके परिवजनों को सौंप दिए गए। शव मिलने के बाद परिवजनों ने सुआवजें और सरकारी नौकरी की मांग को लेकर सड़क पर प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने हालांकि बताया कि चंबल के घाटों और नहरों के किनारे मूर्ति विसर्जन के लिए कई निर्धारित और सुरक्षित स्थान बनाए गए थे, लेकिन मंगलवार को वह हादसा उस क्षेत्र में हुआ, जहां विसर्जन पर प्रतिबंध था। अधिकारियों ने परिवजनों को आश्वासन दिया कि सरकारी नियमों के अनुसार सहायता और मुआवजा प्रदान किया जायेगा।

दिल्ली में रावण के साथ ...

करना था। यह कार्यक्रम पीतमपुरा के नेताजी सुभाष प्लेस स्थित डीडीए ग्राउंड में आयोजित किया गया था, जिसमें भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान कॉकरोच का विशाल पुत्तला लोगों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। हालाँकि कॉकरोच के पुतले को दिल्ली में हाल के दिनों में हुए कॉकरोच जनता पार्टी

चरबागान पंडाल भगदड़ की जांच के लिए छह सदस्यीय एसआईटी गठित, तीन माह में सौंपेगी रिपोर्ट

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता के चरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ की घटना की व्यापक और निष्पक्ष जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। राज्य के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा बुधवार जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार कलकत्ता उच्च न्यायालय के परामर्श से इस उच्च स्तरीय टीम का गठन किया गया है। इस छह सदस्यीय विशेष जांच दल की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस अनिंदिता रॉय सरस्वती करेंगी। टीम के अन्य प्रमुख सदस्यों में राज्य के आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, विशेष कार्य बल के महानिदेशक, पुलिस महानिदेशक के प्रतिनिधि (जो अतिरिक्त महानिदेशक रैंक से कम न हों), गृह एवं पर्वतीय मामले विभाग के संयुक्त सचिव स्तर के प्रतिनिधि और कोलकाता में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के एक प्रतिनिधि को शामिल किया गया है। यह विशेष जांच दल भगदड़ के सटीक कारणों और घटनाओं के क्रम का गहराई से पता लगाएगा। जांच के दायरे में अत्यधिक भीड़, खराब मौसम का प्रभाव, प्रवेश और निकासी

की अपर्याप्त व्यवस्था, अफवाहें, बिजली की विफलता, संरचनात्मक खामियां और भीड़ नियंत्रण उपायों की संभावित विफलता जैसे अहम पहलू शामिल होंगे। इसके अलावा, दल यह भी जांचेगा कि आयोजन स्थल पर मौजूद लोगों की संख्या क्या सुरक्षित क्षमता से अधिक थी और क्या अनुमति देते समय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों तथा निकासी योजनाओं का उचित पालन किया गया था। इस जांच का एक मुख्य उद्देश्य आयोजकों, पुलिस अधिकारियों, कोलकाता नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, अग्निशमन सेवा और सीईएससी जैसी एजेंसियों की ओर से हुई किसी भी संभावित लापरवाही, कर्तव्य में चूक या समन्वय की कमी को उजागर करना है। इसके साथ ही, विशेष जांच दल उत्तरी कोलकाता की संकरी गलियों में भविष्य में भारी दुर्गा पूजा भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वैज्ञानिक उपायों, क्लोज सर्फिट टेलीविजन निगरानी और आपातकालीन निकासी योजनाओं की सिफारिश भी करेगा। जांच दल पीड़ितों और उनके परिवारों को दी गई सहायता, अनुग्रह राशि और पुनर्वास की पर्याप्तता की भी समीक्षा करेगा।

फल और सब्जियां खराब होने की आशंका जताई है। सरकार ने ट्रांसपोर्ट कारोबार से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के बाद अतिरिक्त सहायता देने का भरोसा भी दिया है। 2022 में सत्ता संभालने के बाद से मेलोनी सरकार सुरक्षा संबंधी कई सख्त कदम उठा चुकी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, चार वर्षों में इटली की जेलों में कैदियों की संख्या 17 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। विपक्ष का आरोप है कि कठोर सजाएं अपराध और अव्यवस्था की मूल वजहों को दूर नहीं करतीं। लेकिन मेलोनी सरकार का तर्क है कि आर्थिक मुश्किलों की हिसा का बहाना नहीं बनाया जा सकता। 2027 में होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले सरकार के सामने चुनौती है कि वह महंगाई से उभजे असंतोष को संभालने के साथ सड़कों पर कानून का राज भी कायम रखे। उधर, यूरोप में बिगड़ते हालात की दूसरी तस्वीर फ्रांस से सामने आ रही है। वहां सितंबर में सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर शुरू हुए प्रदर्शन धीरे-धीरे महंगाई और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी नाराजगी तक फैल गए। कई शहरों में प्रदर्शन हिंसक हो गए, दुकानों और सार्वजनिक इमारतों को नुकसान पहुंचा तथा आगजनी और लूटपाट की घटनाएं सामने आईं।

(सीजेपी) के आंदोलन से जोड़कर भी देखा जा रहा है। यही वजह से इस आयोजन ने राजनीतिक रंग भी ले लिया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कॉकरोच का पुतला जलाए जाने पर तेज करते हुए आयोजकों का धन्यवाद किया। सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए दिपके ने इसे फ्री की पब्लिसिटी बताया। वहीं सीजेपी का कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने इसे तमाशा बताया। इधर आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने पीतमपुरा की श्री केशव रामलीला समिति के आयोजकों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली पुलिस आयुक्त को भेजी गई है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को आयोजकों पर लोगों की धार्मिक भावनाओं को धक्काबुझकर आहत करने, पवित्र हिंदू परंपराओं में बदलाव करने और समुदायों के बीच दुश्मनी भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। शिकायत में समिति के अध्यक्ष और भाजपा विधायक अशोक गोयल देवराहा तथा दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा समेत अन्य लोगों के नाम शामिल हैं। भारद्वाज ने एकआईआर दर्ज करने की मांग की है और चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो वो कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। वहीं पुतला दहन पर आप की आपत्ति का जवाब देते हुए मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि पुतला कॉकरोच का जल रहा है, पर दर्द देश की राजनीतिक दीमकों को हो रहा है। जनता इनके खिलाफ कोटनाशक का काम करती है। उन्होंने कहा कि जो पुतला जलाया जा रहा है वह एक कॉकरोच का है, फिर भी यह *दीमक* हैं – इस देश के पॉलिटिकल दीमक – जो दर्द महसूस कर रहे हैं। जनता के पास उनसे निपटने के लिए अपना खास पेस्टीसाइड है। कॉकरोच गंदगी और अव्यवस्था का प्रतीक है। लोग चाहते हैं कि ऐसे पुतले जलाए जाएं; जैसे ही देश विरोधी ताकतें उभरेंगी, भारत में उनकी हार तय है।

उत्तराखंड के मदरसों में ...

अलग-अलग राय हैं। पुलिस लाइंस में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में सुनिर्माण सविल कोड (समान नागरिक संहिता) पहले से ही लागू है। उन्होंने तर्क दिया कि सभी के लिए एक जैसे नियम और कानून होने चाहिए, और यह सिद्धांत शिक्षा के क्षेत्र में भी लागू होता है। मुख्यमंत्री धामी ने घोषणा की कि अब से राज्य के सभी मदरसों में शुक्रवार के बजाय रविवार को छुट्टी रहेगी। हालांकि, कांग्रेस ने शुक्रवार को छुट्टी रद्द किए जाने को महज एक राजनीतिक स्ट्रेट करार दिया है। कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने कहा कि सरकार का ध्यान मस्जिदों और मदरसों के अलावा कहीं और नहीं है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की छुट्टी मूल रूप से विशेष प्रार्थनाओं के लिए दी गई थी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जहां एक ओर मदरसा व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है, वहीं दूसरी ओर बचे हुए मदरसों की मौजूदा हालत पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इस बीच, मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने भी इसे फैसले पर आपत्ति जताई है। दूसरी ओर, शिक्षकों की भी इस पर प्रतिक्रिया आई है। इमदा

मैं कांग्रेस के लोगों को ट्यूशन लगवा दूंगा सीएम भजनलाल बोले, ये ढाई साल के काम हैं, हिसाब लगा लीजिए



बाड़मेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बाड़मेर के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान नगर निकाय चुनाव की सफलता को लेकर वे काफी उत्साहित और जुनो में दिखाई दिए। उन्होंने अपने संबोधन में कांग्रेस पर जमकर सियासी बाण छोड़े। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का गणित पहले से ही कमजोर है और उनका सियासी गलियारों में खासी चर्चा का विषय बना हुआ है और इससे राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। दरअसल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को बाड़मेर जिले

के बाछड़ाऊ गांव में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपने सियासी तरकश से तीर चलाते हुए कांग्रेस पर तीखे निशाने साधे। अपनी सरकार के ढाई साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे ढाई साल के काम हैं, कांग्रेस इसका हिसाब लगा ले। उन्होंने चुटकी लेते हुए आगे कहा कि कांग्रेस की मैथमेटिक्स पहले से ही कमजोर है। मैंने उनसे कहा है कि मैं ट्यूशन लगवा दूंगा, जो भी पढ़ना चाहे मुझे बता दे। मुख्यमंत्री के इस तंज की अब राजनीतिक हलकों में जमकर चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री ने बाड़मेर के बाछड़ाऊ से जोधपुर संभाग के बाड़मेर, बालीतरा, जैसलमेर, जालोर, जोधपुर, पाली, फलोदी और सिरोही जिलों के लिए 2,824 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 1,000 से ज्यादा विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 2,045 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 763 कार्यों का शिलान्यास और 778 करोड़ रुपए की लागत के 250 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाड़मेर जिले में कम वर्षा के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए किसानों, पशुपालकों एवं आमजन को राहत देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

गाजियाबाद में सीजेपीआंदोलन का नहीं दिखा कोई असर नवरात्र में 2500 करोड़ का हुआ कारोबार, बाजार रहे गुलजार

गाजियाबाद। दिल्ली में कांक्रोच जनता पार्टी के आंदोलन से वहां के कारोबारियों का व्यापार ठंडा रहा, लेकिन गाजियाबाद में इसका असर नहीं दिखा। नवरात्र पर ऑटोमोबाइल, प्रॉपर्टी और सरफा बाजार गुलजार रहा। नौ दिवसीय उत्सव के दौरान कुल 2500 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार हुआ। व्यापारिक संगठनों के अनुसार, इस वर्ष त्योहारों में लोगों ने बजट की परवाह किए बिना खरीदारी की। लोगों ने गृह प्रवेश, नए वाहनों की डिलिवरी, सोने-चांदी के आभूषणों की बिक्री और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खरीद को प्राथमिकता दी। इस बंपर कारोबार से न केवल व्यापारियों के चेहरे खिले हैं, बल्कि राज्य सरकार के राजस्व में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। धनतेरस और दिवाली के लिए भी बाजार पूरी तरह से तैयार है। आभूषण कारोबारी राज किशोर ने बताया कि सोने और चांदी



की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद ग्राहकों में भारी उत्साह देखा गया। एक अनुमान के मुताबिक नवरात्र के नौ दिनों में लगभग 400 से 500 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। ग्राहकों ने हल्के वजन की डायमंड ज्वेलरी, पारंपरिक सोने के हार और सिककों की खूब खरीदारी की। साथ ही आगामी धनतेरस और लगन (शादियों के सीजन) के लिए भारी एडवांस

बुकिंग भी कराई है। एआईजी स्टॉप प्रेम प्रकाश सिंह के मुताबिक नवरात्र के दौरान संपत्तियों की रजिस्ट्री और स्टॉप शुल्क के कलेक्शन में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। पांच से 9 दिनों के भीतर हजारों प्लैटों और व्यावसायिक भूखंडों की रजिस्ट्री कराई गई। इससे अकेले प्रॉपर्टी सेक्टर में लगभग 1,200 से 1,500 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ।

यूपी के पुलिसकर्मियों को सीएम योगी का तोहफा मोटरसाइकिल भत्ता 1000 रुपए तो मोबाइल के लिए 2500 रुपए मिलेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने पुलिसकर्मियों के मोबाइल और मोटरसाइकिल भत्तों में वृद्धि का एलान किया है। सीएम योगी ने इस संबंध में बड़ी घोषणा की। पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर सीएम योगी ने पुलिसकर्मियों को भत्ता वृद्धि की बड़ी सीगात दी है। मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों के फोल्ड ड्यूटी को लेकर मिलने वाले मोटरसाइकिल भत्ते को 700 रुपए से बढ़कर 1000 रुपए प्रति माह कर दिया है। वहीं, पीपीएस अधिकारियों को 5 वर्ष में मिलने वाले भत्ते को 6400 से बढ़कर 15,000 रुपए किया गया है। साथ ही, पुलिसकर्मियों के लिए सिम-मोबाइल भत्ते को 2000 रुपए से बढ़ाकर 2500 रुपए किए जाने की घोषणा की गई है। सीएम योगी ने पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर कानून व्यवस्था को बनाए रखने में पुलिसकर्मियों के योगदान की खूब



तारीफ की। सीएम ने कहा कि पुलिसकर्मी कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में पुलिसकर्मियों की सुविधाओं और उनके कल्याण का ध्यान रखना सरकार की प्राथमिकता है। *तबीयत खराब थी, तो कार्यक्रम में आना ही नहीं चाहिए*

था, दलेर मेंहदी विवाद पर मंत्री सुबोध उनियाल का पलटवार सीएम ने कहा कि पहले की सरकार में पुलिसकर्मियों पर काफी दबाव था। कानून का राज स्थापित करने के लिए जब ये अपराधियों-माफिया को पकड़ते थे तो किसी राजनेता का फोन आ जाता था। आज इन पर दबाव नहीं है। यही वजह है कि अपराधियों को बिलों में दुबकना पड़ रहा है। लोग बिना डर सड़क

पर निकल रहे हैं। ये छोटी बातें हैं, लेकिन इसके पीछे इन पुलिसकर्मियों की कड़ी मेहनत है। सीएम योगी ने कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों की सुविधाओं में वृद्धि की बात कही है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में 2017 के बाद से पुलिस बल को मजबूत बनाने की दिशा में काफी काम हुआ है। इसके साथ ही पुलिसकर्मियों की सुविधाओं में भी वृद्धि की गई है। पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए 5 लाख रुपए तक के केशलेस हेल्थ कार्ड की व्यवस्था की गई है। पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण की क्षमता को भी दोगुना किया गया है। सीएम योगी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य पुलिसकर्मियों को बेहतर संसाधन और सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे वे निर्भीक होकर कानून का पालन करने में सक्षम होते हैं। सीएम ने कहा कि प्रदेश का पुलिसकर्मी गरिब, पीड़ित, व्यापारी और महिलाओं की सुरक्षा

सुनिश्चित कर रहा है। अपराध और माफिया के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को लागू कर रहा है। यूपी में पुलिसकर्मियों के भत्ते को 2017 के बाद से तीन बार ब ?या गया है। पहली बार अक्टूबर 2021 में सीएम योगी ने पुलिसकर्मियों के मोबाइल भत्ते को बढ़ाकर 2000 रुपए किया गया था। अक्टूबर 2022 में पुलिस स्मृति दिवस पर सरकार ने साइकिल भत्ते को खत्म किया गया था। उस समय पुलिसकर्मियों को 200 रुपए साइकिल भत्ता मिलता था। योगी सरकार ने मोटरसाइकिल भत्ता 700 रुपए करने का एलान किया। योगी आदित्यनाथ सरकार ने तीसरी बार अक्टूबर 2024 में पुलिस स्मृति दिवस पर सिपाहियों के वर्दी भत्ते को 3000 रुपए से ब ?कर 6400 रुपए किया था। अब सीएम योगी ने चौथी बार तीनों भत्तों में वृद्धि का एलान किया है।

बिहार से आंध्र प्रदेश कैसे पहुंचीं 5 नाबालिग सहेलियां? श्रीकाकुलम और कटिहार पुलिस के लिए सबसे बड़ा रहस्य



कटिहार। बिहार में मेला देखने निकलीं 5 नाबालिग लड़कियां आंध्र प्रदेश कैसे पहुंचीं? ये अपने आप में बड़ा रहस्य है। इसकी पड़ताल का रा रही है। अच्छी बात ये है कि सभी लड़कियां सुरक्षित पुलिस को मिली हैं। कटिहार जिले के मनसाही थाना क्षेत्र से मेला देखने के दौरान लापता हुई पांच नाबालिग लड़कियों के मामले में सफलता मिली। पुलिस ने रेलवे सुरक्षा बल के सहयोग से सभी बच्चियों को आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले से सुरक्षित खोज निकाला है। बच्चियों के अचानक लापता हो जाने से परिजन चिंतित थे। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम बच्चियों को वापस कटिहार लाने के लिए आंध्र प्रदेश रवाना हो गई है। बांग्लादेशी कपल को सजा-ए-मौत के बाद सऊदी में एक और फांसी, 14 साल की उम्र में किया था अपराध, फिर भी रहम नहीं अभिजीत

दिपके का बड़ा खुलासा, बोले- मैं तो बस आदेश मान रहा था; सीजेपी आंदोलन के पीछे सौरव दास-आशुतोष रांका का दिमाग! जानकारी के मुताबिक कटिहार के मनसाही थाना क्षेत्र के मनसाही ग्राम की रहने वाली मधु देवी ने सोमवार 19 दिसंबर को मनसाही थाने में आवेदन दिया कि उनकी पुत्री सुप्रिया कुमारी (13) अपने अन्य 4 सहेली रोशनी कुमारी (13), सुहानी कुमारी (14),शालू कुमारी (12) और सरगम कुमारी (12) एक साथ मनसाही के मरंगी में मेला घूमने गई थी जो वापस नहीं लौटीं। सभी लड़कियां लापता हो गईं। मनसाही थाने में आवेदन मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और परिजनों ने भी अपने स्तर से खोजना शुरू किया। मनसाही की मधु देवी की 13 वर्षीय पुत्री सुप्रिया अपनी चार सहेलियां रोशनी, सुहानी, शालू और सरगम के साथ मरंगी में दुर्गा पूजा मेला देखने गई थी। परिजनों ने दर्ज कराई शिकायतः सोमवार शाम जब बच्चियां देर रात तक घर वापस नहीं लौटीं, तो परिजनों ने मनसाही थाने में आवेदन देकर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही स्थानीय पुलिस और परिजनों ने बच्चियों की तलाश शुरू कर दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कटिहार एसपी ने एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया। श्रीकाकुलम से बरामदगीः एसआईटी ने तकनीकी साक्ष्यों

सुविश्चित कर रहा है। अपराध और माफिया के खिलाफ सरकार की जीरी टॉलरेंस नीति को लागू कर रहा है। यूपी में पुलिसकर्मियों के भत्ते को 2017 के बाद से तीन बार ब ?या गया है। पहली बार अक्टूबर 2021 में सीएम योगी ने पुलिसकर्मियों के मोबाइल भत्ते को बढ़ाकर 2000 रुपए किया गया था। अक्टूबर 2022 में पुलिस स्मृति दिवस पर सरकार ने साइकिल भत्ते को खत्म किया गया था। उस समय पुलिसकर्मियों को 200 रुपए साइकिल भत्ता मिलता था। योगी सरकार ने मोटरसाइकिल भत्ता 700 रुपए करने का एलान किया। योगी आदित्यनाथ सरकार ने तीसरी बार अक्टूबर 2024 में पुलिस स्मृति दिवस पर सिपाहियों के वर्दी भत्ते को 3000 रुपए से ब ?कर 6400 रुपए किया था। अब सीएम योगी ने चौथी बार तीनों भत्तों में वृद्धि का एलान किया है।

बताया जाता है कि सचिता देवी धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। इस नवरात्र में उन्होंने मां दुर्गा की आराधना के लिए कठिन अनुष्ठान का संकल्प लिया था। उन्होंने त्रिवेणीगंज बाजार स्थित प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर परिसर में अपनी छुाती पर कलश-स्थापित कर नौ दिनों तक व्रत और साधना की। पूरे अनुष्ठान के दौरान उन्होंने धार्मिक परंपरा के अनुसार अपनी साधना जारी रखी। मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु भी उनकी इस कठिन साधना को देख रहे थे। नौ दिनों का अनुष्ठान पूरा होने के बाद मंगलवार को वह घर लौटी थीं। त्रिवेणीगंज के लिए धार्मिक अनुष्ठान के संपन्न होने का खुशी भरा अवसर था। नवरात्र का अनुष्ठान पूरा कर घर लौटने के बाद सचिता देवी की तबीयत मंगलवार की रात बिगड़ने लगी। परिजनों ने शुरुआती स्तर पर उनकी मदद की।



चंडीगढ़। पंजाब के मानसा में एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले में सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है। अमित शाह ने परिकार को भरोसा दिया था इस मामले से सीबीआई जांच की जाएगी। अमित शाह के भरोसे के एक दिन बाद एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस मामले की जांच सीबीआई ने अपने हाथों में ले ली और आगे की कार्रवाई शुरू की गई है। सीबीआई से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि प्रतिबंधित नशीले पदार्थ (साइकोट्रोपिक पदार्थ) केमिस्ट की दुकानों पर खुलेआम कैसे बेचे जा रहे थे। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई जांच के दौरान मानसा में पंजाब पुलिस से मामले से जुड़े दस्तावेज अपने कब्जे में लगे। साथ ही, भ्रष्टाचार-रोधी जांच एजेंसी, केमिस्ट अश्विनी कुमार और

अन्य लोगों की हिरासत की मांग कर सकती है। 13 अक्टूबर को पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले परविंदर सिंह झोटा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह मानसा और आसपास के इलाकों में मेडिकल स्टोरों पर प्रतिबंधित और नशे की लत लगाने वाली दवाओं की कथित अवैध बिक्री के खिलाफ अभियान चलाते थे। वह लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ ही नशा तस्करी और प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री के खिलाफ आवाज उठाते थे। सोशल मीडिया पर *झोटा* के नाम से मशहूर परविंदर सिंह झोटा एंटी-ड्रग टास्क फोर्स से भी जुड़े हुए थे। उन्होंने नशे के खिलाफ लोगों को एकजुट करने और स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके प्रयासों के चलते कई ग्राम पंचायतों ने भी नशे के खिलाफ प्रस्ताव पारित किए थे। बताया जाता है कि हत्या से पहले परविंदर सिंह झोटा की एक मेडिकल स्टोर संचालक से नशीली दवाओं की कथित बिक्री को लेकर बहस हुई थी। सोशल मीडिया पर सामने आए एक फेसबुक लाइव वीडियो में उन्हें एक केमिस्ट की दुकान के बाहर संचालक से नशे की दवाओं की बिक्री के संबंध में सवाल करते हुए देखा गया था। हालांकि, हत्याकांड में मेडिकल स्टोर संचालक की भूमिका की जांच बाकी है।

नौ दिन का व्रत और सीने पर कलश, विसर्जन के बाद बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में महिला ने तोड़ा दम



कुछ देर के लिए उन्हें राहत मिली, जिसके बाद वह सो गई, लेकिन बुधवार की सुबह उनकी तबीयत फिर अचानक बिगड़ गई। इस बार उनके सीने में तेज दर्द उठा। दर्द बढ़ने पर परिजन घबरा गए और बिना देर किए उन्हें त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों को उम्मीद थी कि इलाज के बाद उनकी

तबीयत में सुधार हो जाएगा, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर स्थिति बेहद गंभीर थी। त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल में चिकित्सकों ने सचिता देवी की जांच की। हालांकि, उन्हें बचाया नहीं जा सका और डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. उमेश कुमार मंडल के मुताबिक,

महिला को बुधवार सुबह अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। परिजनों ने बताया था कि उनके सीने में अचानक तेज दर्द उठा था। डॉक्टर ने आशंका जताई कि लगातार लंबे समय तक लेटे रहने, खान-पान में कमी और शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन के कारण परेशानी हो सकती है। इसके अलावा हृदय संबंधी किसी गंभीर समस्या की आशंका भी जताई गई। हालांकि, महिला की मौत का वास्तविक कारण अभी आधिकारिक रूप से पुष्ट नहीं हुआ है। सचिता देवी की आचानक मौत से उनके पति वीरेंद्र यादव और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस घर में नवरात्र का अनुष्ठान पूरा होने के बाद धार्मिक उत्सव का माहौल था, वहां अब मातम पसरा हुआ है।



सर्साफा बाजार में और सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में आज भी बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्साफा बाजार में सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुरुआती कारोबार के दौरान चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्साफा बाजार में सोना 1,820 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान 820 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 890 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है।

कीमत में हुए बदलाव की वजह से देश के ज्यादातर सर्साफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्साफा बाजार में भी 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत

1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,47,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,120

रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्साफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्साफा बाजार में भी सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,46,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्साफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,33,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

एसोई गैस सिलेंडर के दामों में बदलाव नहीं



नई दिल्ली। देश भर में एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है और दिवाली नजदीक है, ऐसे में यह खबर उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी है, जिन्हें अक्सर गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि की आशंका रहती है। की तारीख में, घरेलू और व्यावसायिक दोनों तरह के गैस सिलेंडरों की कीमतों में किसी भी प्रकार की वृद्धि दर्ज नहीं की गई है, जिससे रसोई गैस का इस्तेमाल करने वालों को तत्काल राहत मिली है। पेट्रोलियम कंपनियों ने बुधवार को दामों में कोई बदलाव नहीं किया। इससे उपभोक्ताओं को फिलहाल किसी अतिरिक्त वित्तीय बोझ से मुक्ति मिली है रसोई गैस सिलेंडर की कीमत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 942 रुपए है। वहीं पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में यह 941.50 रुपए में उपलब्ध है, जबकि पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में उपभोक्ता को इसके लिए 968 रुपए खर्च करने होंगे। चेन्नई में इसकी कीमत 957.50 रुपए है। वहीं अन्य प्रमुख शहरों की बात करें तो, नोएडा में घरेलू सिलेंडर 939.50 रुपए, हरियाणा के गुरुग्राम में 950.50 रुपए और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 979.50 रुपए में मिल रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में इसकी कीमत 945.50 रुपए है, वहीं बिहार की राजधानी पटना में यह सबसे महंगा, 1,031.50 रुपए में उपलब्ध है। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में 14.2 किलोग्राम का घरेलू गैस सिलेंडर 994 रुपए में मिल रहा है। इसी प्रकार, व्यावसायिक उपयोग के लिए 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम भी पहले की तरह ही बने हुए हैं।

आईफोन 18 लॉन्च हो सकता है मार्च 2027 में



नई दिल्ली। दिग्गज टेक ऐप्पल कंपनी आगामी स्मार्टफोन आईफोन 18 को मार्च 2027 में भारतीय बाजार में पेश कर सकती है। इसकी संभावित कीमत 1,10,990 रुपये से 1,19,990 रुपये के बीच बताई गई है। हालांकि, ऐप्पल ने अभी तक फोन की लॉन्च तारीख, कीमत और फीचर्स को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, आईफोन 18 की कीमत मौजूदा आईफोन 17 से अधिक हो सकती है। भारत में आईफोन 17 की शुरुआती कीमत 99,900 रुपये बताई गई है। यदि नए माडल की अनुमानित कीमत सही साबित होती है, तो यह कंपनी के सबसे महंगे मानक आईफोन में शामिल हो सकता है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 18 के साथ आईफोन 18ई और आईफोन एयर 2 को भी मार्च 2027 के आसपास पेश किए जाने की संभावना है। इन उपकरणों का उत्पादन नवंबर 2026 के अंत तक शुरू होने का अनुमान जताया गया है। फीचर्स की बात करें तो आईफोन 18 में 6.3 इंच का एलटीपीओ अलैलडी डिस्प्ले मिल सकता है। यह स्क्रीन 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट को सपोर्ट कर सकती है, जिससे स्क्रॉलिंग और एनिमेशन का अनुभव बेहतर होने की उम्मीद है। यह आकार और रिफ्रेश रेट मौजूदा आईफोन 17 के समान बताए जा रहे हैं।

डार्क वेब पर 3,800 से अधिक ग्राहकों का डेटा लीक : अलर्ट के बाद एवशन में एसबीआई

मुंबई। देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहकों की निजी जानकारी की सुरक्षा से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है। बैंक ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि डार्क वेब पर पाए गए लगभग 3,75,000 रिकार्ड्स के प्रारंभिक विश्लेषण में उसके 3,897 ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी उजागर हुई है। 16 अक्टूबर को राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा एजेंसियों से अलर्ट प्राप्त होने के तुरंत बाद बैंक ने अपने साइबर इंसिडेंट रिस्पॉन्स प्रोटोकॉल को सक्रिय कर दिया और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। बैंक को इस संभावित डेटा लीक की जानकारी कब और किस एजेंसियों से मिली एसबीआई ने शेरार बाजारों को दी गई अपनी रेगुलेटरी फाईलिंग में बताया कि उस 16 अक्टूबर को इस संभावित डेटा एक्सपोजर के संबंध में आपातकालीन अलर्ट मिले थे। ये चेतावनियां बैंक के श्रेट इंटीलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, रक्षा मंत्रालय की डिफेंस साइबर एजेंसी और देश की नोडल साइबर सुरक्षा एजेंसी सर्ट-इन की ओर से साझा की गई थीं। इन चेतावनियों के आधार पर डार्क वेब पर मौजूद लगभग 3,75,000 रिकार्ड्स का त्वरित विश्लेषण किया गया, जिसके बाद 3,897 ग्राहक रिकार्ड्स में व्यक्तिगत जानकारी होने की पुष्टि हुई।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं डाउ जॉन्स स्प्रूचर्स सुबह मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का माहौल बना रहा और प्रमुख सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। यहां कुछ प्रमुख बाजारों में भारी तेजी बनी हुई है, तो कुछ सूचकांक हल्की गिरावट के साथ रिकवरी की कोशिश करते नजर आ रहे हैं।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला रुख दर्ज किया गया, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स में 21.84 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 7,712.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत टेक-हैवी नैस्डैक कंपोजिट में हल्की बिकवाली देखी गई। यह सूचकांक 6.07 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 26,424.82 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स स्प्रूचर्स फिलहाल 39.07 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,534.95 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का माहौल बना रहा, जिससे प्रमुख सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 15.35 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,304.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसडी 40 इंडेक्स ने 29.56 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की मंदी के साथ 7,838.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा ब्रिटेन का एफटीएसई 100 इंडेक्स भी 31.69 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,733 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में ज्यादातर जगहों पर मजबूती के साथ कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजारों में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांकों में गिरावट की वजह से लाल निशान बना हुआ है। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने



वाले गिफ्ट निफ्टी में सुबह शानदार बढ़त नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 109.50 अंक यानी 0.48 प्रतिशत उछल कर 23,044 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के मिले-जुले रुख के बावजूद जापान के बाजार में बंपर तेजी देखी जा रही है। यहां निक्केई 225 इंडेक्स बड़ी उछाल के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल जापान का यह सूचकांक 504.58 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ चढ़कर 64,580 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह स्ट्रैट्स टाइम्स इंडेक्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 21.43 अंक यानी 0.39 प्रतिशत उछल कर 5,456.74 अंक के स्तर पर आ गया है। वहीं, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स दबाव में दिख रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 84.74 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,783 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ताइवान वेटेड इंडेक्स में खरीदारी और उत्साह का माहौल बना हुआ है, जिसके कारण यह सूचकांक

494.42 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ उछल कर 46,787.35 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा दक्षिण कोरिया के कोसपी इंडेक्स में जरूरतसे तेजी नजर आ रही है। इस तेजी के कारण फिलहाल कोसपी इंडेक्स 151.31 अंक यानी 2.72 प्रतिशत की भारी छलांग के साथ 5,704.05 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

थाईलैंड के सेट कंपोजिट इंडेक्स में हल्की मंदी देखी जा रही है और फिलहाल यह सूचकांक 9.90 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,545.04 अंक के स्तर पर टिका हुआ है। इसके साथ ही जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में बिकवाली के चलते गिरावट देखने को मिल रही है। फिलहाल यह सूचकांक 44.19 अंक यानी 0.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ गिर कर 5,234.70 अंक के स्तर पर आ गया है। वहीं दूसरी ओर, चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है, जहां फिलहाल यह सूचकांक 11.42 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की हल्की मंदी के साथ 3,723.95 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

हुंडई की नई काम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी बाजार में उतारने की तैयारी



नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हुंडई कंपनी अपनी नई काम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी उतारने की तैयारी कर रही है। कंपनी की यह नई इलेक्ट्रिक कार टाटा नेक्सन ईवी, महिंद्रा एक्सयूवी उपक्सओ ईवी और किया साइरोस ईवी जैसी गाड़ियों को टक्कर देगी। इसे जनवरी 2027 में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। इस एसयूवी का कोडनैम एवईआई बताया जा रहा है। इसे कंपनी के ई-जीएमपी (के) प्लेसफार्म पर विकसित किया जाएगा। इसका उत्पादन तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर स्थित हुंडई संयंत्र में किया जाएगा। नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को भारतीय ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जा रहा है। इसमें दो बैटरी विकल्प मिलने की उम्मीद है, जिन्हें स्टैंडर्ड रेंज और लॉन्ग रेंज शामिल होंगे। हालांकि, कंपनी ने अभी बैटरी क्षमता और एक बार चार्ज करने पर मिलने वाली वास्तविक ड्राइविंग रेंज की जानकारी नहीं दी है। तुलना के लिए, विदेशों में बिकने वाली हुंडई इंटर ईवी में 42 किलोवाट-घंटे और 49 किलोवाट-घंटे के बैटरी पैक मिलते हैं। इनकी ड्रयल्यूटलीपी प्रमाणित रेंज क्रमशः लगभग 300 और 355 किलोमीटर है। शुरुआती माडल में स्कोल्ट की ओर से आपूर्ति की गई बैटरी सेल इस्तेमाल किए जाने की संभावना है। भविष्य में कंपनी एक्सआइड के साथ साझेदारी के जरिए भारत में निर्मित बैटरी सेल का इस्तेमाल भी कर सकती है।

नई दिल्ली

भारतीय बाजार से जैएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया अपनी पेट्रोल एसयूवी एमजी एस्टर को हटाने की तैयारी कर रही है। लगातार कमजोर बिक्री के कारण कंपनी ने इस माडल को बंद करने का फैसला लिया है। हालांकि, कंपनी की ओर से इस संबंध में आधिकारिक घोषणा की पुष्टि जरूरी है। एमजी एस्टर को वर्ष 2021 में भारतीय बाजार में पेश किया गया था।

शुरुआत में इसमें आधुनिक तकनीक और प्रीमियम सुविधाओं के कारण ग्राहकों ने दिलचस्पी दिखाई, लेकिन यह अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले मजबूत बाजार हिस्सेदारी हासिल नहीं कर सकी। एमजी एस्टर का मुकाबला हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, स्कोडा कुशाक और वोक्सवैगन टाइगून जैसी एसयूवी से रहा। बाद में मारुति ग्रेंड विटारा, टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर, मारुति विक्टोरिस और होडा एलिवेट जैसी माडलों के



आने से प्रतिस्पर्धा और बढ़ गई। टाटा सिएरा जैसे नए विकल्पों ने भी इस श्रेणी में मुकाबले को अधिक चुनौतीपूर्ण बनाया।

एस्टर को लॉन्च के समय लेवल-2 उन्नत चालक सहायता प्रणाली और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित व्यक्तिगत सहायक जैसी सुविधाओं के साथ पेश किया गया था। इन खूबियों के बावजूद

बिक्री में अपेक्षित तेजी नहीं आई।

जनवरी से सितंबर 2026 के बीच इसकी 1,715 इकाइयां बिकने का आंकड़ा दिया गया है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,238 इकाइयों की बिक्री हुई थी। इस तरह बिक्री में लगभग 38.5 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद इसकी औसत मासिक बिक्री करीब 191 इकाइयों रही।

बिक्री प्रभावित होने की एक वजह इंजन विकल्पों की सीमित उपलब्धता भी मानी जा रही है। फरवरी 2025 में रेंजों पेट्रोल इंजन विकल्प हटाए जाने के बाद यह एसयूवी केवल सामान्य पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध रही। इसके मुकाबले कई प्रतिद्वंद्वी माडल अलग-अलग इंजन और पावरट्रेन विकल्पों में मिलते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, कंपनी एस्टर के संभावित उत्तराधिकारी पर काम कर रही है। नया माडल माइयूएल सिग्मा प्लेटफार्म पर आधारित हो सकता है।

स्माल कैप का जलवा, रिकार्ड तोड़ निवेश और बंपर रिटर्न की कहानी

10 साल में 15 फीसदी से अधिक का दमदार रिटर्न

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में स्माल कैप फंड्स का आकर्षण निवेशकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। सितंबर 2023 में इस कैटेगरी में रिकार्ड 9,038.57 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के लिहाज से निप्यान इंडिया, एचडीएफसी और एसबीआई स्माल कैप फंड्स इस सेगमेंट में अग्रणी बने हुए हैं और इन्होंने पिछले एक दशक में निवेशकों को 15 फीसदी से अधिक का शानदार सालाना रिटर्न दिया है। इन तीनों फंड्स ने एयूएम के मामले में भी झंडे गाड़े हैं। निप्यान इंडिया स्माल कैप फंड लगभग 80,000 करोड़ रुपये के साथ शीर्ष पर है, जबकि एचडीएफसी स्माल कैप और एसबीआई स्माल कैप फंड्स दोनों का एयूएम लगभग 40,000 करोड़ रुपये है।

प्रदर्शन की बात करें तो पिछले 10 सालों में इनके डायरेक्ट प्लान्स ने निवेशकों को मालामाल किया है। निप्यान इंडिया ने 20.20 फीसदी, एसबीआई ने 17.75 फीसदी और एचडीएफसी ने 15 फीसदी से अधिक का प्रभावशाली सालाना रिटर्न दिया है। हालांकि, इनकी निवेश रणनीतियों और पोर्टफोलियो में विविधता स्पष्ट दिखती है। निप्यान इंडिया उच्च विकास संभावना वाली



स्माल कैप कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करता है और सबसे अधिक 256 शेयरों में निवेश करता है, जिससे इसका पोर्टफोलियो अधिक फैला हुआ है। वहीं, एसबीआई स्माल कैप फंड बिजनेस माडल और विकास क्षमता के साथ ग्रोथ व वैल्यू पर जोर देता है, जिसके पोर्टफोलियो में 63 शेयर हैं। एचडीएफसी स्माल कैप मजबूत वित्तीय स्थिति और टिकाऊ बिजनेस माडल वाली कंपनियों को उच्चतम मूल्यांकन पर चुनता है, जिसमें 85 शेयर शामिल हैं। तीनों फंड्स के लिए अपनी कुल संपत्ति का कम से कम 65 फीसदी स्माल कैप

कंपनियों में निवेश करना अनिवार्य है। निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि इन फंड्स में जोखिम भी अधिक है। रिस्क-ओ-मीटर पर तीनों फंड बहुत ज्यादा जोखिम की कैटेगरी में आते हैं। पिछले तीन सालों में, निप्यान इंडिया (19.33 फीसदी) में सबसे अधिक उतार-चढ़ाव देखा गया है, लेकिन डाउनसाइड रिस्क के मुकाबले अतिरिक्त रिटर्न देने में यह अन्य दोनों से आगे रहा है, और एसबीआई (17.66 फीसदी) और एचडीएफसी (17.61 फीसदी) का उतार-चढ़ाव लगभग समान रहा है।

अक्टूबर में कई कंपनियां नए माडल और अपडेटेड गाड़ियां करेगी पेश

नई दिल्ली। अक्टूबर 2026 में कई वाहन निर्माता कंपनियां नए माडल और अपडेटेड गाड़ियां पेश कर रही हैं। नई एसयूवी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए भारतीय बाजार में पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक विकल्प मौजूद हैं। तीसम, माइलेज, फीचर्स और इस्तेमाल की जरूरत के आधार पर गाहक इनमें से अपने लिए उपयुक्त विकल्प चुन सकते हैं। लज्जरी श्रेणी में आडी की चार्ज पीडी की वयु3 प्रमुख विकल्प है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 51.99 लाख रुपये बताई गई है। इसमें 2.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और प्रीमियम सुविधाएं मिलती हैं। वहीं, रेनॉल्ट डरेटर का स्ट्राना हाइब्रिड संस्करण 17 अक्टूबर को पेश किए जाने की जानकारी दी गई है। इसमें 1.8 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ दो इलेक्ट्रिक मोटर मिलने की बात कही गई है। कंपनी की ओर से बताई गई लगभग 29 किलोमीटर प्रति लीटर की माइलेज के दावे की पुष्टि आधिकारिक परीक्षण आकड़ों से करना जरूरी होगा। हुंडई बेयान को 26 अक्टूबर को लॉन्च किए जाने की संभावना है। इसे वेन्यू और क्रेटा के बीच की श्रेणी में रखा जा सकता है। इसमें दो 12.3 इंच की स्क्रीन और 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन मिलने की उम्मीद है। हालांकि, इसकी कीमत और सभी फीचर्स की आधिकारिक पुष्टि लॉन्च के समय होगी। महिंद्रा की ओर से बोलेंगे के फेसलिफ्ट संस्करण और थार के अपडेटेड माडल को भी विकल्पों में मिला जा रहा है। थार की शुरुआती कीमत 10.32 लाख रुपये बताई गई है। दूसरी ओर, महिंद्रा एक्सयूवी उपक्सओ का सीएनजी संस्करण 9.99 लाख रुपये की कीमत पर पेश किए जाने की जानकारी है।



न्यूज़ ब्रीफ

एशियन पैरा खेल : कस्तूरी ने पैरा पावरलिफ्टिंग के 67 किलोग्राम वर्ग में जीता रजत

आइवी-नागोया। भारत की कस्तूरी राजमणि ने आइवी-नागोया एशियाई पैरा खेल-2026 में महिला



पैरा पावरलिफ्टिंग के 67 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने अपने तीन प्रयासों में से दो में सफलता

हासिल करते हुए 108 किलोग्राम वजन उठाया। कस्तूरी ने पहले प्रयास में 103 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। दूसरे प्रयास में वह 106 किलोग्राम वजन उठाने में असफल रही, लेकिन तीसरे प्रयास में 108 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम कर लिया। उज्बेकिस्तान की रुखशीना उकतामोवा ने 127 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उकतामोवा ने पहले प्रयास में 120 किग्रा, दूसरे प्रयास में 125 और तीसरे प्रयास में 127 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पर कब्जा किया। जबकि दक्षिण कोरिया की किम ह्योगुई ने 107 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने पहले प्रयास में 104, और दूसरे प्रयास में 107 किग्रा वजन उठाया, हालांकि 109 किलोग्राम वजन उठाने का तीसरा प्रयास किया, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सकी। भारत खबर लिखे जाने तक पदक तालिका में पांचवें स्थान पर था।

एशियन पैरा खेल : मनजीत ने माला फेंक स्पर्धा के एफ-12/13 वर्ग में जीता रजत, व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फेंका 61.41 मीटर माला



आइवी-नागोया। भारत के मनजीत ने आइवी-नागोया एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के एफ-12/13 वर्ग में रजत पदक जीता। उन्होंने 61.41 मीटर भाला फेंककर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं जापान के युता वाकोह ने 59.66 मीटर के साथ स्वर्ण और जापान के ही केंटा वाकोह ने 58.60 मीटर के साथ कांस्य जीता मनजीत ने अपना सर्वश्रेष्ठ थो दूसरे प्रयास में किया। संयुक्त एफ-12/13 वर्ग की इस स्पर्धा में पदकों का फैसला केवल भाला फेंकने की दूरी के आधार पर नहीं, बल्कि रजा अंक पणाली के आधार पर हुआ। जापान के युता वाकोह ने 9।4 रजा अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मनजीत 838 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के केंटा वाकोह ने 783 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत प्रतियोगिता की पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। खबर लिखे जाने तक भारत के खाते में 12 स्वर्ण, 16 रजत और 18 कांस्य सहित कुल 46 पदक थे।

सवाल पूछने की क्षमता के कारण ही मिली सफलता : अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली। ओलिंपिक में भारत की ओर से व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बिंद्रा ने कहा है कि वह अधिक से अधिक सवाल पूछें। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे खिलाड़ियों की ही आवश्यकता है जो केवल बताते गये निर्देश पर चलने की जगह तय प्रक्रिया और ढांचे पर भी सवाल उठाये और बेहतर हासिल करने का प्रयास करें। सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए बिंद्रा ने अपनी खेल यात्रा का एक अहम पहलू साझा किया। उन्होंने लिखा, मेरे पूरे खेल करियर में, मैंने अपने कोचों से सवाल पूछे, उनके सुझावों को चुनौती दी और अपनी उत्सुकता को कभी मरने नहीं दिया। मैंने ऐसा इसलिए नहीं किया कि मैं उनका अन्याय करता था, बल्कि इसलिए कि मैं हर बात को समझकर सीखना चाहता था। उनकी यह सलाह युवा एथलीटों के लिए एक प्रेरणा है कि वे केवल निर्देशों को लगता है कि वे खुलकर अपनी बात नहीं रख सकते, तो समय के साथ एक कहीं अधिक चिंतनमक स्थिति पैदा हो जाती है। वे धीरे-धीरे अपने मन में भी सवाल पूछना बंद कर देते हैं। बिंद्रा ने चेतावनी दी कि जब ऐसा होता है, तो हम खेल में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आवश्यक एक बहुत ही अहम चीज खो देते हैं। वह है सीखने की निरंतर प्रक्रिया और आलोचनात्मक सोच की क्षमता। यह स्थिति न केवल व्यक्तिगत खिलाड़ी के लिए हानिकारक है, बल्कि पूरे खेल समुदाय के विकास को भी बाधित करती है। बिंद्रा ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो अपने काम, अपने कोचों और उन्हें बताई गई प्रक्रिया पर सवाल उठा सकें।



पुजारा ने 21वीं सदी के पांच सर्वश्रेष्ठ नंबर-3 टेस्ट बल्लेबाजों की सूची जारी की

नई दिल्ली

भारतीय टेस्ट क्रिकेट में विशेषज्ञ

बल्लेबाज के तौर पर लोकप्रिय रहे

चेतेश्वर पुजारा ने 21वीं सदी के पांच

सर्वश्रेष्ठ टेस्ट नंबर-3 बल्लेबाजों की

अपनी सूची जारी की है। हैराणी की बात

है कि पुजारा ने इस सूची में अपने को

शामिल नहीं किया है जबकि नंबर तीन

पर बल्लेबाज करे हुए 103 टेस्ट मैचों में

उनके नाम 7195 रन हैं।

पुजारा की इस विशिष्ट सूची में दक्षिण अफ्रीका के दो, जबकि श्रीलंका, आस्ट्रेलिया और भारत के एक-एक खिलाड़ी शामिल हैं। उन्होंने अपने पांच पसंदीदा नंबर-3 बल्लेबाजों के रूप में भारत के राहुल द्रविड़, आस्ट्रेलिया के रिकी पॉन्टिंग, दक्षिण अफ्रीका के आलराउंडर जैक कैलिस और उनके हमवतन बल्लेबाज हाशिम अमला, तथा श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को चुना। जब उन्हें इन्हीं दिग्गजों में से शीर्ष तीन चुनने के लिए कहा गया, तो पुजारा ने भारतीय द वाल राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और हाशिम अमला का नाम लिया।

टेस्ट क्रिकेट में नंबर-3 पर सर्वाधिक रन बनाने के मामले में श्रीलंका के कुमार संगकारा (207 पारियों में 11679 रन) शीर्ष पर हैं, जबकि भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ (219 पारियों में

10524 रन) दूसरे और आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग (196 पारियों में 9904 रन) तीसरे स्थान पर हैं। हाशिम अमला ने भी 174 पारियों में 7993 रन बनाए हैं। स्वयं चेतेश्वर पुजारा का नंबर-3 पर प्रदर्शन भी बेहतरीन रहा है। उन्होंने इस स्थान पर 155 पारियों में 44.41 की शानदार औसत से 6529 रन बनाए हैं और टेस्ट में बनाए गए अपने 19 शतकों में से 18 इसी पोजीशन पर जड़े हैं। आंकड़ों के अनुसार, नंबर-3 पर सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में पुजारा छठे पायदान पर हैं, जो उनके आत्म-निराकरण के बावजूद उनकी काबिलियत को दर्शाता है। जैक कैलिस, जो पुजारा की सूची में शामिल हैं, ने नंबर-3 पर 78 पारियों में 3335 रन बनाए हैं, लेकिन उनकी आलराउंडर क्षमताओं ने उन्हें इस सूची में जगह दिलाई होगी। पुजारा का

यह निर्णय उनके विनम्र स्वभाव को दर्शाता है, लेकिन उनके आंकड़े और खेल शैली उन्हें इस विशिष्ट समूह में एक मजबूत दावेदार बनाती है। पुजारा को पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ की विकेट पर टिककर खेलने की खूबी के कारण उनके जैसे ही भरोसेमंद बल्लेबाज माना जाता है। वहीं जब उनसे 21वीं सदी के टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ नंबर-3 बल्लेबाजों में खुद के स्थान के बारे में पूछा गया, तो पुजारा ने स्पष्ट कहा कि वह शीर्ष 20 या शीर्ष 10 में तो खुद को शामिल करेंगे, लेकिन शीर्ष 5 में नहीं। उनका यह बयान क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के लिए आश्चर्यजनक था, क्योंकि नंबर-3 पर उनकी बल्लेबाजी तकनीक, अद्वितीय धैर्य और लंबी पारियां खेलने की क्षमता उन्हें इस स्थान के लिए आदर्श बनाती है।

एशियाई पैरा खेल : ऊंची कूद में भारत का दोहरा धमाल, प्रवीण ने स्वर्ण, बंटी ने जीता रजत

आइवी-नागोया

एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और बंटी ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। प्रवीण ने 2.05 मीटर की ऊंचाई पर कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि बंटी ने 1.92 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया।

प्रवीण ने प्रतियोगिता की शुरुआत 1.92 मीटर की ऊंचाई से की और शानदार प्रदर्शन करते हुए 2.05 मीटर की ऊंचाई पर की। इस दौरान उन्होंने खेलों का नया रिकार्ड बनाया और अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

बंटी ने 1.92 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 1.86 मीटर की ऊंचाई पर कर कांस्य पदक जीता।

प्रवीण ने इस प्रदर्शन के साथ एशियाई पैरा खेलों में अपना खिताब भी बचाया। उज्बेकिस्तान के तेमुरबेक गियाजोव ने 1.86 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता। भारतीय खिलाड़ियों के स्वर्ण और रजत पदक जीतने से इस स्पर्धा में भारत को दोहरी सफलता मिली।

उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के गोविंदगढ़ गांव के रहने वाले प्रवीण कुमार का जन्म 15 मई 2003 को हुआ था। निचले अंगों से संबंधित दिव्यांगता के साथ जन्मे प्रवीण ने कम उम्र में ही एथलेटिक्स में रुचि विकसित की और ऊंची कूद को अपना प्रमुख खेल बनाया। वह डा. सत्यपाल सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम केंद्र में अभ्यास करते हैं। वह लक्ष्य ओलिंपिक पोलियम योजना के अंतर्गत आने वाले खिलाड़ियों में भी शामिल हैं।

प्रवीण ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में 2.07 मीटर की छलांग के साथ रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। इसके बाद उन्होंने हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीता। पेरिस पैरालंपिक-2024 में उन्होंने 2.08 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वर्ष 2025 में नई दिल्ली में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 2.00 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता था।



एशियाई पैरा खेल : आयुष वर्मा ने गोला फेंक एफ-53 स्पर्धा में जीता स्वर्ण, दो पदकों के साथ अमियान का किया समापन, इससे पहले माला फेंक में जीत चुके हैं कांस्य

आइवी-नागोया। भारत के पैरा एथलीट आयुष वर्मा ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की गोला फेंक एफ-53 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। उन्होंने अपने पांचवें प्रयास में 8.16 मीटर का सर्वश्रेष्ठ शो करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इस स्वर्ण के साथ आयुष ने इन खेलों में अपना दूसरा पदक जीता। इससे पहले वह पुरुषों की भाला फेंक एफ-53/एफ-54 स्पर्धा में कांस्य पदक जीत चुके हैं। गोला फेंक स्पर्धा में ईरान के अलीरंजा हेमामी ने 8.09 मीटर के शो के साथ रजत पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान के मखाभेट सेरिकातिएव 6.81 मीटर के शो के साथ कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहे। उत्तर प्रदेश के मेरठ के रहने वाले आयुष वर्मा का जन्म 15 जुलाई 1991 को हुआ था। वह एफ-53 वर्ग में बैठकर शो करने वाली स्पर्धाओं में हिस्सा लेते हैं। उन्होंने वर्ष 2020 में पैरा खेलों में प्रतिस्पर्धात्मक सफर शुरू किया और कोच रोहित कुमार के मार्गदर्शन में गोला फेंक का अभ्यास किया। आयुष की इस उपलब्धि से एशियाई पैरा खेलों में भारतीय दल के पदकों की संख्या में एक और स्वर्ण जुड़ गया। उनका प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय पैरा एथलेटिक्स की मजबूती को भी दर्शाता है।



गूच सहित इन खिलाड़ियों ने बनाये हैं एक ही टेस्ट में सबसे अधिक रन

लंदन

विश्व क्रिकेट इतिहास में टेस्ट क्रिकेट में कई खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। टेस्ट क्रिकेट में अब तक एक ही मैच में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड पांच बल्लेबाजों के नाम है। इस सूची में इंग्लैंड के ग्राहम गूच, आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा और भारत के शुभमन गिल भी शामिल हैं।

ग्राहम गूच : ऐतिहासिक लार्ड्स के मैदान पर 26 जुलाई 1990 को भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए इस मुकाबले में गूच ने भारतीय टीम के खिलाफ पहली पारी में 333 जबकि दूसरी पारी में 123 रन बनाये। एक ही टेस्ट मैच में 333 और 123 रन बनाकर कुल 456 रन दर्ज कराने का ग्राहम गूच का यह विश्व रिकार्ड आज भी टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक मैच में सर्वाधिक रनों का रिकार्ड है, जिसे पिछले 36 सालों से कोई बल्लेबाज तोड़ नहीं पाया है।

शुभमन गिल : वहीं इस सूची में दूसरा स्थान भारत के युवा सितारे शुभमन गिल के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मुकाबले में शुभमन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 269 रन जबकि दूसरी पारी में 161 रन बनाये। मैच में कुल 430 रन (269 और 161) बनाकर शुभमन गिल ने टेस्ट इतिहास में एक मैच



में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

मार्क टेलर : तीसरे स्थान पर आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर हैं, टेलर ने 15 अक्टूबर 1998 को पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाज में भी रिकार्ड बनाया। पहली पारी में टेलर 334 रनों पर नाबाद रहे। इसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 92 रन जोड़े। मार्क टेलर का यह 426 रनों (नाबाद 334 और 92) का संयुक्त प्रयास टेस्ट क्रिकेट के सबसे यादगार मैच आंकड़ों में गिना जाता है।

कुमार संगकारा : श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा ने 4 फरवरी 2014 को

चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 319 चौं दूसरी पारी में 105 रन बनाए। सोमवार ने कुल 424 रनों के साथ ही सूची में चौथा स्थान हासिल किया।

ब्रायन लारा : इस सूची में पांचवें स्थान पर वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा रहे। उन्होंने 10 अप्रैल 2004 को सेंट जॉन्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही पारी में नाबाद 400 रन बनाकर इतिहास रचा था। हालांकि उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उनकी यह अकेली 400 रनों की पारी टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर के रूप में आज भी दर्ज है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), नैथन सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, शिखर दुबे, नितेश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अश्विनी सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव।

भुवनेश्वर की वापसी से खुश कप्तान श्रेयस, बोले-वह टी20 में दबदबा बनाना जानते हैं

क्राइस्टचर्च

न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को खेले

जाने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय

मुकाबले से पहले भारतीय कप्तान श्रेयस

अय्यर ने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर

कुमार की टीम में वापसी पर खुशी जताई

है। अय्यर ने कहा कि भुवनेश्वर को इस

प्रारूप में दबदबा बनाने का अच्छा अनुभव

है और आईपीएल में उनका हालिया

प्रदर्शन इसका प्रमाण है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला शुरू होगी। भुवनेश्वर लगभग चार साल बाद भारतीय टी20 टीम की जर्सी में गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं।

उन्होंने भारत के लिए आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर 2022 में नेपियर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उस मुकाबले में उन्होंने चार ओवर में 35 रन दिए थे और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। मैच टाई रहा था, जबकि भारत ने श्रृंखला जीत ली थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ चेरलू मैदान पर हाल ही में उनकी वापसी का इंतजार बारिश के कारण टल गया था।

इसके बाद भुवनेश्वर ने आईपीएल में रायल चैलेंजर्स बेंगलूरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 31 मैचों में 22.55 की औसत से 45 विकेट लिए और टीम को 2025 तथा 2026 में लगातार दो खिताब जीतने में मदद की। आईपीएल के पिछले सत्र में वह 16 मैचों में 17.89 की औसत और 7.95 की इकानमी दर से 28 विकेट लेकर दूसरे सबसे सफल गेंदबाज रहे।

अय्यर ने मैच से पहले आयोजित पत्रकारिता में कहा, वह टीम में काफी अनुभव लेकर आते हैं, जिसकी हमें कमी महसूस हो रही थी। आईपीएल



के बाद हमारे पास कई नए गेंदबाज थे। उनके पिछले दो वर्षों के प्रदर्शन को देखें, तो उन्होंने आईपीएल खिताब जीते हैं। उन्हें इस प्रारूप पर दबदबा बनाने का बहुत अच्छा अंदाज है।

अय्यर ने न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में जल्द ढलने को अहम बताया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम में तेज गेंदबाजों पर अधिक जोर दिखाई देता है और यहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल हैं। भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम जल्द से जल्द परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की कोशिश करेगी। अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों को पिच और परिस्थितियों का बेहतर अंदाज मिलेगा, जिससे वे अपनी रणनीति बना सकेंगे। भुवनेश्वर ने भारत के लिए 87 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 23.10 की औसत से 90 विकेट लिए हैं। इस प्रारूप में उनके नाम दो बार पांच विकेट और तीन बार चार विकेट लेने का प्रदर्शन दर्ज है। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरे करने से केवल 10 विकेट दूर हैं। ऐसा

सिगरेट से हुक्का ज्यादा खतरनाक...

इन दिनों हर छोटे बड़े शहरों और मॉल्स में हुक्का बार या शीशा लाउंज पांपूलर होते नजर आ रहे हैं। युवा हुक्के का एक कश नहीं बल्कि हजार कश लेते हुए दिखते हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि हुक्का पीना सिगरेट पीने के मुकाबले बिल्कुल भी हानिकारक नहीं होता।

लेकिन हुक्के से खींचा गया तंबाकू का धुआं पानी से होता हुआ एक लंबे होज पाइप के जरिए फेफड़ों तक पहुंचता है। पानी के बरतन से होते हुए आने के कारण ही यह एक आम भ्रांति है कि हुक्के का धुआं हानिकारक नहीं होता। सच यह है कि हुक्के से निकलने वाला धुआं

सिगरेट या बीड़ी के धुएं से अधिक घातक होता है। हुक्का पीना सिगरेट की ही तरह हानिकारक है क्योंकि दोनों उत्पाद के अंत में कार्सिनोजन लगा रहता है जो कि एक कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ है।

हुक्के का स्वाद बदलने के लिए केवल उसमें फ्रूट सीरप मिलाया जाता है जिससे उसके फ्लेवर में बदलाव आ जाता है। इसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि हुक्के में किसी भी प्रकार का फल मिलाया गया हो। इसलिए यह आशा न करें कि हुक्के को पी कर आपको विटामिन मिलेगा।

शिशु को कैसे दिलवाएं डकार

शिशु के जब बोटल से दूध पीता है तो उस दौरान हवा भी अन्दर पेट में चली जाती है। दूध की बोटल से शिशु के पेट में गई ये हवा उसे गैसी और चिड़चिड़ा बना देती है। उसके शरीर में अत्यधिक गैस और असुविधा से राहत देने के लिए डकार दिलवाने के लिए उनको आपकी सहायता की आवश्यकता है। डकार दिलवाने का सही तरीका क्या है और, ऐसा कब होता है जब शिशु को दूध पीने के बाद भी डकार नहीं आती।

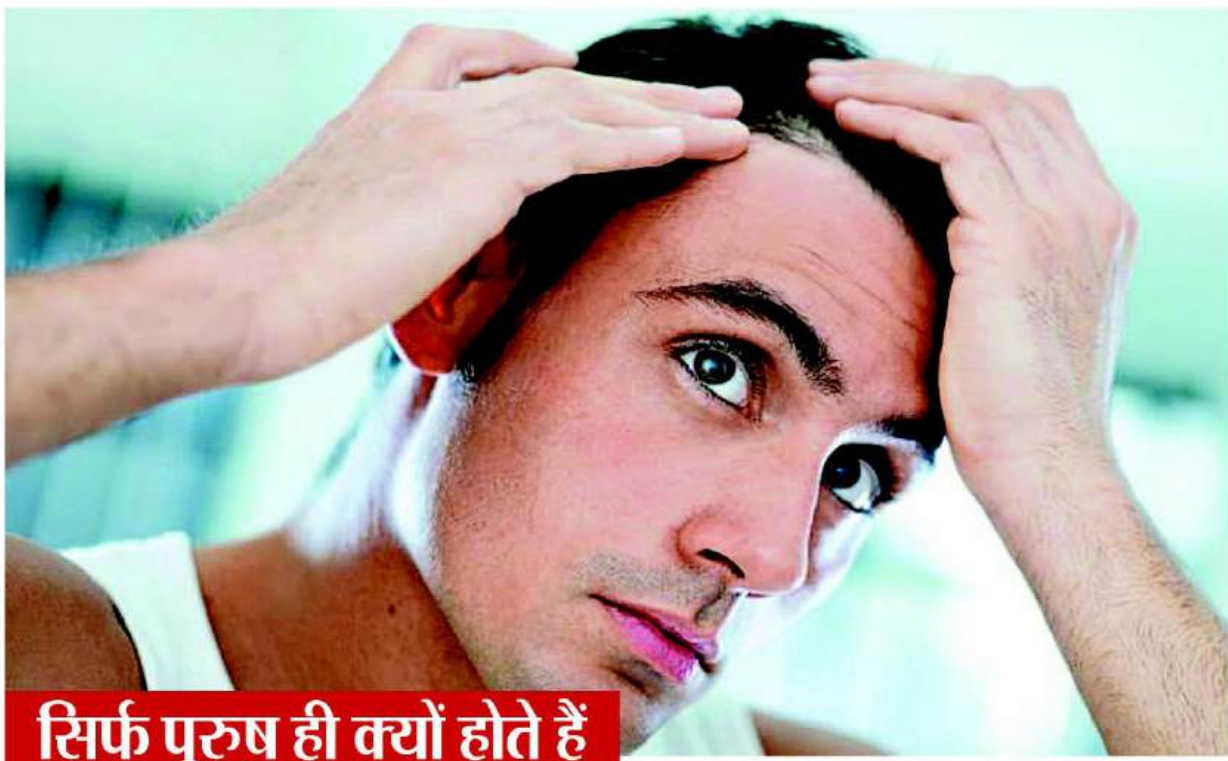


उच्च रक्तचाप वाले डाइट में करें ये परिवर्तन



रक्तचाप की समस्या सबसे बेकार बीमारी है। स्वास्थ्य एक्सपर्ट का कहना है कि दुर्भाग्यवश ऐसे लोगों की संख्या देश विदेश में बढ़ रही है जिन्हें उच्च रक्तचाप है। और इसे नियंत्रण में लाने का सबसे आसान तरीका है नियमित खान पान जो कारगर हो। उच्च रक्तचाप में दिल जिस वेग से खून छोड़ता है वह बढ़ जाता है। अगर समय पर इसका उपाय न किया गया तो इससे कई और बीमारियां जैसे किडनी की समस्या, धमनी की समस्या और दिल का दौरा भी पड़ सकता है। कुछ लोगों के लिए यह जेनेटिक हो सकता है। पर ज्यादातर समय यह अधिक बैठे रहने वाली जीवन शैली, तनाव और एक्सरसाइज की कमी से शुरू होती है। आपको अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से कई सुझाव मिल जाएंगे कि उच्च रक्तचाप के लिए क्या अच्छा होता है और क्या बुरा। इससे आप और कंप्यूज हो सकते हैं और कई बार आप गलत खाना खाकर रह जाते हैं। तो उच्च रक्तचाप के लिए सही डाइट क्या होनी चाहिए? अपनी जीवन शैली में बदलाव लाने और डाइट में बदलाव कर आप उच्च रक्तचाप से निजात पा सकते हैं। यहां पर आठ डाइट प्लान बताए गए हैं।

- 1. खाने में नमक की मात्रा कम कर दें-** उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक नुकसान कर सकता है। ज्यादा नमक खाने से शरीर में पानी रहता है जिससे उच्च रक्तचाप हो जाता है। इसलिए ज्यादा नमक वाला खाना जैसे केचप और डिब्बाबंद पेय पदार्थ और खाने से बचना चाहिए।
- 2. प्रोसेस्ड फूड न लें-** प्रोसेस्ड फूड जैसे ब्रेड, प्रोसेस्ड मीट और पैक किए हुए खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह ब्लड प्रेशर के स्तर को बढ़ाता है।
- 3. तेल कम खाएं-** जितना हो सके कम तेल का इस्तेमाल करें। तेल में फैट ज्यादा होते हैं जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है जिससे ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है।
- 4. अल्कोहल से बचें-** शराब में खाली कैलोरीज होते हैं। ज्यादा पीने से ना सिर्फ वजन पर ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है। इससे रक्त धमनियां संकुचित भी हो जाती हैं।
- 5. कॉफी कम पीएं-** कॉफी में कैफीन होता है जो ब्लड प्रेशर के स्तर को तुरंत बढ़ा देता है। इसलिए रोज कॉफी नहीं पीनी चाहिए। हालांकि, कभी कभार आप कॉफी पी सकते हैं।
- 6. धूम्रपान न करें-** सिगरेट में निकोटीन होता है जो बुरा होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और धमनियां संकुचित होती हैं। उच्च रक्तचाप से बचने के लिए धूम्रपान से बचना जरूरी है।
- 7. पशु उत्पाद लेना बंद कर दें-** पशु उत्पाद जैसे मीट, प्रोसेस्ड मीट, अंडा और बटर में फैट होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल तो बढ़ता ही है, साथ ही साथ रक्तचाप भी बढ़ जाता है।
- 8. खाने में साबुत ग्रेन को शामिल करें-** साबुत ग्रेन में प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल और फैट पिघल जाता है और धमनियों में जमा नहीं होता। इससे खून आराम से धमनियों में बहता है और रक्तचाप भी काबू में रहता है।



सिर्फ पुरुष ही क्यों होते हैं

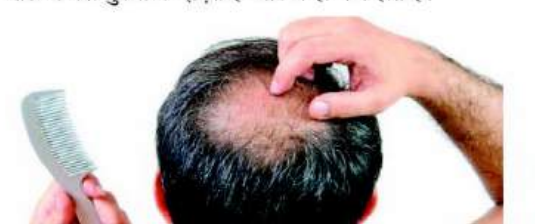
गंजेपन के शिकार

आए दिन मेट्रो, बस और अपने ऑफिस में आपको कोई ना कोई पचास साल से ऊपर गंजा इंसान दिख ही जाता होगा। क्या आपने कभी नोटिस किया है कि केवल आपको गंजे पुरुष ही दिखने को मिलते हैं। गंजी महिलाएं आपने शायद ही देखी हों, और जो देखी भी होगी वे किसी न किसी बीमारी के कारण हुई होंगी।

क्या आपने कभी सोचा है कि केवल पुरुष ही क्यों गंजेपन का शिकार होते हैं? तो इसका जवाब इस लेख में जानिए। पुरुषों की तरह महिलाओं के भी बाल झड़ते हैं। जबकि महिलाएं शायद ही कभी गंजेपन की शिकार होती हैं। दुनिया में केवल इंसान ही

जिनके बाल आते हैं और केवल इंसान ही है जो गंजेपन का शिकार होता है। इंसानों में भी केवल पुरुष ही है जो गंजा होता है। कई बार माना जाता है कि बाल तनाव के कारण झड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या महिलाओं में तनाव नहीं होता?

वहीं कई बार पोषण की कमी भी बालों का झड़ना माना जाता है। अगर ऐसा है तो महिलाएं ज्यादा कुपोषित होती हैं और अच्छी से अच्छी खाते-पीती घर की महिलाओं में हीग्लोबिन की कमी होती है। ऐसे में तो फिर महिलाओं के बाल ज्यादा झड़ने चाहिए। लेकिन नहीं, बाल केवल पुरुषों के झड़ते हैं और वे ही गंजे होते हैं।



टेस्टोस्टेरोन हार्मोन जिम्मेदार

शरीर पर बाल हार्मोनल बदलावों के कारण उगते हैं और वे झड़ते भी हार्मोस में बदलाव के कारण ही हैं। ऐसे में बालों का आना और जाना मनोविज्ञान या रसायनविज्ञान की जगह जीवविज्ञान का विषय है। गंजेपन पर रिसर्च कर रहे नॉर्वे की बर्गेन यूनिवर्सिटी के जीव वैज्ञानिकों ने इसके लिए टेस्टोस्टेरोन नाम के यौन हार्मोन को जिम्मेदार ठहराया है। यह पुरुषों में सावित होने वाले एंड्रोजन समूह का स्टेरॉयड हार्मोन है जिसके कारण पुरुषों में बाल झड़ने की समस्या पैदा होती है। दरअसल इंसान के शरीर में कुछ एंजाइम ऐसे होते हैं जो टेस्टोस्टेरोन को डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन में बदल देते हैं। यही डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन के कारण बाल पतले और कमजोर हो जाते हैं। सामान्यतौर पर हार्मोस में यह बदलाव करने वाले एंजाइम एक इंसान में उसे उसके जीस से प्राप्त हुए होते हैं। इसी कारण गंजेपन को अनुवांशिक भी माना जाता है।

फिर महिलाएं क्यों नहीं होती गंजी

ऐसे में सवाल वही रह जाता है कि महिलाएं क्यों नहीं पुरी तरह से गंजी होतीं? इसका जवाब टेस्टोस्टेरोन हार्मोन में ही छुपा है। दरअसल ये एक मेल हार्मोन है जो पुरुषों में ही पाया जाता है। ये पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नाम मात्र के लिए सावित होता है। और जब ये महिलाओं में अधिक सावित होता है तो महिलाओं में अनचाहे बालों की अधिक मात्रा में आने की समस्या पैदा होती है। इसलिए महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन नाममात्र के लिए सावित होते हैं और इसके साथ एस्ट्रोजन नाम के हार्मोन का भी साव होता है। जिस कारण महिलाओं के शरीर में टेस्टोस्टेरोन के डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन बदलने की प्रक्रिया कम होती है। जिस कारण महिलाओं में बाल कम झड़ते हैं। और जब यही प्रक्रिया कभी गर्भावस्था या मेनोपॉज में बढ़ जाती है तो बाल झड़ने की समस्या उत्पन्न होती है। इसलिए अक्सर महिलाओं को गर्भावस्था और मेनोपॉज में बाल झड़ने की समस्या होती है।

प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क का इस्तेमाल बेहतर

अक्सर लोग प्रदूषण और डस्ट से बचने के लिए मुंह पर स्कार्फ या रुमाल बांधते हैं। इसके पीछे हमारा उद्देश्य धूल, धूल मिट्टी आदि को अंदर जाने से रोकना होता है। इस सब के बाद हम यह मान बैठते हैं कि प्रदूषण हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता लेकिन यह हमारी गलतफहमी होती है। वैज्ञानिकों के अध्ययन मुताबिक इस तरह के कपड़े कुछ हद तक ही प्रदूषण से बचाव करते हैं, जबकि इनकी तुलना में बाजार में मिलने वाले मास्क कहीं बेहतर होते हैं। शोधकर्ता रिचर्ड पेरेल्टियर के अनुसार प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क पहनने वाले लोग अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं, लेकिन चिंता इस बात की है कि यदि वे किसी डीजल ट्रक के सामने खड़े हो जाएं तो क्या वे सुरक्षित हैं।

शोधकर्ताओं के दल ने नेपाल में चार प्रकार के मास्क का परीक्षण किया जिनमें कपड़े से निर्मित मास्क का प्रदर्शन बेहतर रहा और यह 80-90 फीसदी कृत्रिम कणों तथा डीजल गाड़ियों से निकलने वाले लगभग 57 फीसदी हानिकारक कणों को दूर रखने में सक्षम रहा। वहीं, मास्क के रूप में इस्तेमाल में लाया गया रुमाल या स्कार्फ 2.5 माइक्रो मीटर से कम आकार के कणों से बचाने में बेहद सीमित तौर पर लाभकारी साबित हुआ, जो बड़े कणों की तुलना में अधिक हानिकारक है, क्योंकि वे फेफड़े की गहराई तक पहुंच जाते हैं। अध्ययन यह दर्शाता है कि लोगों को यह पता होना चाहिए कि रुमाल या स्कार्फ बेहद सीमित रूप से उनका बचाव करते हैं। लेकिन बात तो यही है कि कुछ नहीं से अच्छा कुछ तो है।



भूल कर भी न मारें बच्चों के सिर पर थप्पड़

बच्चों के शरारत करने पर अक्सर माता पिता सिर पर थप्पड़ मार देते हैं। लेकिन क्या आपने सोचा है कि वह थप्पड़ आपके बच्चे पर कितना भारी पड़ सकता है। जानिए कैसे एक थप्पड़ आपके बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर माता-पिता गुरसे में बच्चे सिर पर थप्पड़ लगा देते हैं। लेकिन एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि वह एक थप्पड़ आपके बच्चे के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। बच्चों के सिर के पीछे थप्पड़ मारने से उनमें मानसिक समस्याओं का जोखिम बढ़ता है। यही नहीं संज्ञात्मक क्षमताओं (कॉग्निटिव एबिलिटी) भी कम होती है। 50 साल के लंबे शोध से पता चला है कि बच्चे के सिर पर थप्पड़ मारने से उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। इस दौरान उन्होंने करीब 1,60,000 बच्चों के जीवन का आकलन किया। माता-पिता अक्सर ये सोचते हैं कि थप्पड़ मारने से उनके बच्चे सुधर जाएंगे, ये धारणा बिल्कुल गलत है क्योंकि इस तरह का व्यवहार बच्चों को लंबे समय तक नहीं सुधार सकता है।



रेसिपी



विधि

हर्बड भरावन के मिश्रण को 4 बराबर भागों में बाँटिए और एक तरफ रख दीजिए। एक आधी सेकी हुई रोटी को साफ सूखी सतह पर रखकर, भरावन मिश्रण के एक भाग को रोटी के आधे हिस्से पर रखिए और रोटी का दूसरा आधा हिस्सा मिश्रण के उपर मोड़ दीजिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर पराठा रखकर, ½ टी-स्पून तेल की मदद से, पराठे को दोनों तरफ सुनहरा से होने तक सेंकिए। बाकी बची रोटियां और भरावन मिश्रण से 3 और पराठे बनाइए। ताजे लो-फैट दही के साथ गरमा गरम परोसिए।

हर्बड पनीर पराठा

सामग्री

मिक्स करके ताजा हर्बड भरावन बनाने के लिए: 1/4 कप बारीक कटी हुई सोआ भाजी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ पुदिना, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप कसा हुआ पनीर, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक, स्वाद अनुसार, अन्य सामग्री: 4 आधी-सेकी हुई रोटी, पकाने के लिए: तेल, परोसने के लिए: ताजा लो-फैट दही

घरेलू नुस्खों से मिल सकता है आराम

किडनी में पथरी या स्टोन के

दर्द को बर्दाश्त करना काफी

मुश्किल होता है, कोई भी

व्यक्ति इस दर्द को ज्यादा देर तक

बर्दाश्त नहीं कर सकता है इसलिए

कई डॉक्टर दवाइयां देकर इसे

यूरीन के रास्ते बाहर निकालने की

कोशिश करते हैं। अगर पथरी

ज्यादा बड़ी हो तो डॉक्टर को

ऑपरेशन करना पड़ता है, लेकिन

अगर आप भी किडनी के स्टोन के

दर्द से परेशान हैं तो कुछ घरेलू

उपाय अपनाकर किडनी के स्टोन

से राहत पा सकते हैं।



कैल्शियम से भरपूर खाना

तुलसी के पत्तों का सेवन करने से किडनी के स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। तुलसी के पत्तों को चबाना, तुलसी की चाय बनाकर पीना, तुलसी के रस में शहद मिलाकर पीने से स्टोन से राहत मिलती है। किडनी में स्टोन की समस्या से राहत पाने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए, जो स्टोन को तोड़ने और बाहर निकालने में मदद करते हैं। दूध, मक्खन, तरबूज का सेवन करना लाभकारी साबित हो सकता है।

नींबू, ओलिव ऑयल और पानी

नींबू का रस चौथाई कप निकालकर उसमें जतना ही ओलिव आयल मिलाकर इसका सेवन करने के बाद पानी पीना चाहिए। दिन में 2 बार ऐसा करने से किडनी स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। किडनी में स्टोन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम 10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। ज्यादा पानी पीने से किडनी में से स्टोन यूरीन के रास्ते बाहर निकल जाता है।

अनार और अजवाइन भी फायदेमंद

फलों का सेवन करना वैसे भी हमारी सेहत के लिए लाभकारी होता है, लेकिन स्टोन की समस्या होने पर अनार या अनार का जूस पीने से स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। वहीं अजवाइन का सेवन करने से पेट संबंधित कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है, लेकिन किडनी में स्टोन होने पर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

लहरों के बीच बना सकते हैं बेहतर भविष्य

आजकल के बच्चे काफी सोच समझकर अपने कैरियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन कई बच्चों को समुद्र की लहरों के बीच राफ्टिंग करना बेहद पसंद होता है अगर वो चाहें तो इस हॉबी को रोजगार का साधन भी बना सकते हैं, लेकिन इस कैरियर की शुरुआत सिर्फ साहसी लोग ही कर सकते हैं और इसके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद जरूरी है।



प्रमुख संस्थान...

- इंडियन माउंटनियरिंग फाउंडेशन, नई दिल्ली
- हिमालयन रिवर रनर्स, नई दिल्ली

कैसे करें शुरुआत...?

राफ्टिंग का 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कई संस्थानों द्वारा करवाया जाता है। सबसे पहले प्राथी की शारीरिक जांच करने के बाद उसको राफ्टिंग गाइड के साथ खतरनाक राफ्टिंग ट्रैक पर भेजा जाता है। ट्रेनिंग के दौरान राफ्टिंग उपकरणों के प्रयोग करने के बारे में समझाया जाता है और साथ ही यह जानकारी भी दी जाती है कि नदी में पानी के बहाव, उसकी गहराई की कैसे जांच करनी है। राफ्टिंग का सारा प्रशिक्षण लेने के बाद आप राफ्टिंग गाइड भी बन सकते हैं और पर्यटकों को राफ्टिंग का सफर करवा सकते हैं। हालांकि ये कैरियर कमजोर दिलवालों के नहीं, बल्कि मजबूत इरादे वालों के लिए है। इसलिए ये कैरियर चुनते समय आप ये डिसाइड कर लें कि कहीं आपको पानी से डर तो नहीं लगता।



विधि

बेसन को बर्तन में छानकर इसमें थोड़ा लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, थोड़ा नमक और दही डालकर मिक्स करके गुद ले। गुदे हुए बेसन से छोटी-छोटी लोई बनाएं। अब लोई को लंबा करके रोल्स तैयार करें। गैस पर बर्तन में पानी गरम करें। इसमें बेसन के रोल्स डालकर मध्यम आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। गैस बंद करके रोल्स को पानी से निकाल लें और इन्हें एक डच मोटे टुकड़ों में काट लें। बेसन के गूठे तैयार हैं। अब कढ़ाही में तेल गरम करें। इसमें लौंग, हींग और राई डालकर तड़का लगाएं। इसके बाद तेल में प्याज डालकर फ्राई करें। जब प्याज सुनहरे हो जाए तो इसमें हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर 2 मिनट मध्यम आंच पर पकाएं। अब हल्दी, लाल मिर्च, गरम मसाला पाउडर और नमक ड्राइ फ्रूट्स डालकर एक मिनट पकाएं। इसके बाद चावल और बेसन के गूठे डालकर चलाएं। अब चावल को 2 मिनट मध्यम आंच पर पकाएं इसके बाद गैस बंद कर दें और चावल को एक मिनट के लिए ढक दें। राजस्थानी गूठे वाला पुलाव तैयार है। इसे हरी धनिया से गार्निश करके दही या रायते के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

राजस्थानी पुलाव

सामग्री

3 कप पके हुए चावल, 2 कप बेसन, एक कप दही, 5 आलू, 5 प्याज लम्बाई में कटे हुए, एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 4 हरी मिर्च, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 2 छोटे चम्मच गरम, मसाला पाउडर 2 लौंग, एक चुटकी हींग, आधा छोटा चम्मच अजवायन, एक छोटा चम्मच राई, ड्राइ फ्रूट्स, लाल मिर्च पाउडर, नमक, तेल, बारीक कटी धनिया